RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:109 ता. 20 अक्टूबर 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के काठमांडू में आया 5.1 तीव्रता का भूकंप, भारत में भी हिली धरती

नई दिल्ली । नेपाल के काठमांडू में बुधवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। पड़ोसी देश में भूकंप के झटके महसूस होने के दौरान इसका असर नेपाल से सटे भारत के सीमावर्ती राज्यों में भी देखने को मिला। बिहार के पटना सहित कई अन्य जगहों पर भी भूकंप को महसूस किया गया। हालांकि अभी तक कहीं से किसी तरह की जानमाल हानि की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, 19 अक्टूबर की दोपहर 2.52 बजे नेपाल के काठमांडू में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र काठमांडू के पूर्व में 53 किलोमीटर दूर था। यह जमीन से 10 किलोमीटर नीचे की गहराई में आया। बताया जा रहा हैं कि पटना के अलावा भी अन्य जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि ये झटके हल्के बताए जा रहे हैं। इसके पहले बुधवार सुबह ही लद्दाख में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, सुबह 8.07 बजे आए भूकंप का केंद्र लेह बेल्ट से 135 किमी उत्तर-पूर्व में था। अधिकारियों ने बताया कि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि भूकंप 34.92 डिग्री उत्तर अक्षांश और 78.72 डिग्री पूर्व देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर आया। हिमालयी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील है।

बेंगलुरु के डॉक्टरों ने पाक बच्ची का किया अस्थि मज्जा ट्रांसप्लांट

बेंगलुरु। पाकिस्तान की दो साल की बच्ची अमायरा सिकंदर खान का बेंगलुरु के एक अस्पताल में सफलतापूर्वक अस्थि मज्जा प्रतिरोपण (बोन मैरो-बीएमटी) कर दिया गया है। कराची के रहने वाले क्रिकेट अनाउंसर सिकंदर बख्त की बेटी का हाल में नारायणा अस्पताल में बीएमटी की मदद से म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाइप-एक (एमपीएस-एक) का इलाज किया गया। नारायण 'हेल्थकेयर' के अध्यक्ष और संस्थापक देवी शेट्टी ने बुधवार को कहा म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस एक ऐसी दुर्लभ स्थिति है, जिसमें आंखों और मस्तिष्क सहित शरीर के कई अंगों का कामकाज प्रभावित हो सकता है। चिकित्सकों ने बताया कि अमायरा (2.6 साल) को उसके पिता के अस्थि मज्जा का उपयोग करके बचाया गया।

मुंबई में तीन जगहों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, अलर्ट मोड में पुलिस

मुंबई। एक बार फिर मुंबई में बम विस्फोट करने की धमकी मिली है. खबर है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मुंबई में तीन जगहों को बम से उड़ाने से धमकी दी है. मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार दोपहर यह धमकी भरा फोन आया, जिसमें अंधेरी के इनफिनिटी मॉल, जुहू का पीवीआर और सांताक्रुज स्थित पांच सितारा होटल सहारा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच अलर्ट मोड पर आ गई है और फिलहाल फोन कॉल की जांच कर रही है. आपको बता दें कि इससे पूर्व भी मुंबई में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी. जिसके आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा था.

जूनागढ़ पहुंचे पीएम मोदी ने दीवाली उपहार में दी

3580 करोड़ रुपये की योजनाएं

जापानी बाजार में सुरमी मछली को गुजरात के नाम से जाना जाता

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को गुजरात के जूनागढ़ पहुंचे। यहां पीएम ने करीब 3580 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक समय में पूरे गुजरात के पूरे साल का जितना बजट होता था, उससे ज्यादा के विकास कार्य एक दिन में एक बार में यहां शुरू किए गए। ये योजनाएं रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर लेकर आई हैं। मैं आपको इस अवसर को दिवाली के उपहार के रूप में मनाने के लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, 'गुजरात हर क्षेत्र में तेज रफ्तार से दौड़ रहा है। पुराने दिनों को याद करें तब 10 में से 7 साल में सूखा होगा। प्रकृति बेकाबू थी, काठियावाड़ खाली हो रहा था और रोटी गूंथने के लिए दौड़ना पड़ रहा था। प्रधानमंत्री ने कहा, एक जमाने में लोग विशेष बस से नर्मदा देखने जाते थे, लेकिन अब समय बदल गया है। नर्मदा आ रही है आज गांव-गांव आशीर्वाद देने के लिए। पीएम मोदी ने कहा कि मछुआरों के विकास के लिए सागर खेडू योजना शुरू की गई। 20 साल में कोई भी गुजराती इस बात पर गर्व कर सकता है कि दुनिया में मछली का निर्यात 7 गुना बढ़ गया है। सुरमी मछली को जापानी बाजार में गुजरात के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि 8 साल में गुजरात को डबल इंजन सरकार का फायदा मिला है। गुजरात में मछली पकड़ने का बंदरगाह बनाकर सागर के किसानों की समस्या दूर हुई। मछली पकड़ने के तीन बंदरगाहों की आधारशिला आज रखी गई, इससे फिश हार्बर से मछलियों का परिवहन बेहद आसान होगा।

पीएम मोदी ने कहा, अब ड्रोन से मछली के सामान की तेजी से डिलीवरी की व्यवस्था की जा रही है। यह ड्रोन 20 से 25 किलो तक माल ले जा सकता है। पीएमओ ने बताया था कि प्रधानमंत्री जूनागढ़ में मिसिंग लिंक के निर्माण के साथ ही तटीय राजमार्गों के सुधार की आधारशिला रखने वाले हैं। इस परियोजना के पहले चरण में, 13 जिलों में 270 किलोमीटर से अधिक की कुल राजमार्ग लंबाई को कवर किया जाएगा। इसके अलावा नागढ़ में दो जलापूर्ति परियोजनाओं और कृषि उत्पादों के भंडारण के लिए एक गोदाम परिसर के निर्माण की आधारशिला भी

इसमें शामिल है। पीएमओ ने कहा कि वह पोरबंदर के माधवपुर में स्थित श्री कृष्ण रुक्मणी मंदिर के समग्र विकास की आधारशिला रखने वाले हैं। वह पोरबंदर फिशरी हार्बर में सीवेज और जलापूर्ति परियोजनाओं व रखरखाव ड्रेजिंग की आधारशिला भी रखने वाले हैं। गिर सोमनाथ में वह दो परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले हैं, जिसमें माधवाड़ में फिशिंग पोर्ट का विकास भी शामिल है। इसके बाद शाम छह बजे प्रधानमंत्री राजकोट में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित 'इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करने वाले हैं।

26 अक्टूबर को अध्यक्ष पद संभालेंगे खरगे, बोले–

पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता

(एजेंसी)

कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दिवाली के बाद 26 अक्टूबर को कार्यभार संभालेंगे। खरगे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम सभी को पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम करना है, पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता है। हमें साम्प्रदायिकता की आड़ में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने वाली फासीवादी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का आभार जताया है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए संसद से सड़क तक संघर्ष करेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर खरे उतरेंगे। खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद अपने अपने आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि देश को एक तानाशाह की सनक की भेंट नहीं चढाया जा सकता है इसलिए सभी को मिलकर इन ताकतों के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का भरोसा देते हुए खड़गे ने कहा, ''आपने मुझ पर भरोसा जताया है और गरीब परिवार में जन्मे एक सामान्य कार्यकर्ता को कांगेस का अध्यक्ष बनाया है, मैं आपके भरोसे पर खरा उतरूंगा।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा,''दिल्ली की सत्ता पर बैठे हुक्मरान बातें तो बहुत करते हैं पर काम कुछ नहीं करते। असलियत में उनके चरित्र को चार शब्दों में बताया जा सकता है-खोखला चना बाजे घना। देश में सबसे बड़ी समस्या कमरतोड महंगाई है, भयंकर बेरोजगारी है, अमीर गरीब के बीच की खाई है और सरकार के द्वारा देश में फैलाई जाने वाली नफरत है।'' खड़गे ने कहा कि पिछले 75 साल के दौरान कांग्रेस ने संविधान की रक्षा करते हुए लगातार देश के लोकतंत्र को मजबूत किया है लेकिन आज लोकतंत्र खतरे में है और संविधान पर हमला बोला जा रहा है, संस्थानों को तोड़ा जा रहा है ऐसे में कांग्रेस ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव करवा कर देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का उदाहरण पेश किया है।

आज से कांग्रेस के मजबूत होने का सिलसिला आरंभ हो चुका : शशि थरूर

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में उम्मीदवार रहे शशि थरूर ने मल्लिकार्जुन खड़गे की जीत की पृष्ठभूमि में कहा कि यह लोकतांत्रिक मुकाबला था जिस वजह से पार्टी में सभी स्तरों पर स्वस्थ और रचनात्मक बहस हुई और यह भविष्य में पार्टी के लिए बेहतर रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मजबूत होने का सिलसिला आरंभ हो चुका है। थरूर के अनुसार, नेहरू-गांधी परिवार का कांग्रेस सदस्यों के दिलों में हमेशा एक विशेष स्थान रहा है और आगे भी रहेगा। थरुर ने कहा, यह मेरी आशा है और विश्वास है कि यह परिवार कांग्रेस, हमारी नैतिक चेतना और मार्गदर्शन करने वाली भावना का मूल स्तंभ बना रहेगा।'' सोनिया गांधी के योगदान की तारीफ कर थरूर ने कहा कि पार्टी पर उनका ऐसा कर्ज है जिसे कभी चुकाया नहीं जा सकता। थरूर ने कहा, अंतिम फैसला खड़गे के पक्ष में रहा, कांग्रेस चुनाव में उनकी जीत के लिए मैं उन्हें हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, कांग्रेस का अध्यक्ष बनना बड़े सम्मान, बड़ी जिम्मेदारी की बात है, मैं खड़गे को इस चुनाव में उनकी सफलता के लिए बधाई देता हूं। इतना ही नहीं थरूर ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष पद का स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में अपना योगदान देने के लिए मैं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी का धन्यवाद करता हूं।''

अलवर में रेप के आरोपी को पकड़ने गए पुलिसकर्मी को ग्रामीणों ने पीटा

अलवर ।(एजेंसी)

अलवर के बहरोड़ क्षेत्र में पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर आरोपी के परिजनों ने हमला बोल दिया। परिजन और अन्य ग्रामीण आरोपी को पुलिस के हवाले करने की बजाए पुलिस से ही उलझ गए। ग्रामीणों के हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया। नीमराणा पुलिस थाने में घायल सिपाही मनोज ने आरोपी के परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक बहरोड़ पुलिस थाने के सिपाही मनोज कुमार को दुष्कर्म के आरोपी की लोकेशन गांव में होने की खबर मिली थी। मनोज उस अपराधी की तलाश में जा ही रहा था कि उसी दौरान गांव के 4-5 लोग आए और मुझसे पूछने लगे कि आप हमारे गांव के पीछे क्यों पड़े हो। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने अपने अन्य लोगों को भी बुला लिया। उन लोगों ने आते ही मनोज के ऊपर हमला कर दिया और उसके कपड़े फाड़ दिए। मनोज ने मामले की सूचना पुलिस अधिकारियों को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे ग्रामीणों से बचाया। नीमराणा पुलिस थाने में कांस्टेबल मनोज ने हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। गौरतलब है कि इस साल में 3 बार बहरोड़ पुलिस पर हमले किए गए हैं। पिछले दिनों बहरोड के डिश गांव में बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर लोगों ने हमला कर दिया था। तीन महीने पहले बर्डोद में भी पुलिस पर हमला किया गया था। बदमाशों में जरा भी पुलिस का खौफ नहीं है, जिसके चलते आए दिन पुलिस पर हमले होते रहते हैं। इस मामले में पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है।

सिंगूर से टाटा मोटर को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भगाया था - बनर्जी

सिलीगुड़ी ।(एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य के सिंगूर से टाटा मोटर को उन्होंने नहीं, बल्कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भगाया था। बनर्जी ने यहां 'बिजया सम्मिलनी' या दुर्गापूजा के बाद की सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्होंने केवल किसानों की वे जमीनें लौटाई थीं, जिन्हें हुगली जिले के सिंगूर में टाटा मोटर की नैनो कार फैक्ट्री के लिए पूर्व वाम मोर्चा सरकार ने जबरन अधिग्रहीत किया था। उन्होंने सरकारी समारोह में कहा, ''ऐसे लोग हैं जो अफवाह फैला रहे हैं कि मैंने टाटा को पश्चिम बंगाल से भगा दिया है। मैंने उन्हें जाने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि यह माकपा थी जिसने उन्हें भगाया।'' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने इस कार्यक्रम में कोई राजनीतिक बयान न देने के बारे में सोचा था। उन्होंने कहा, ''आपने (माकपा ने) परियोजना के लिए लोगों से जबरन जमीन ली थी, हमने वह जमीन लोगों को लौटा दी। हमने बहुत सारी परियोजनाएं की हैं, लेकिन कभी किसी से जबरन जमीन नहीं ली। हम जबरन जमीन क्यों लें? यहां जमीन की कोई कमी नहीं है।'' सिंगूर में 2000 के दशक के मध्य में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन के लिए बनर्जी की अक्सर उनके विरोधियों, विशेष रूप से माकपा द्वारा आलोचना की जाती है, जिसकी वजह से टाटा समूह को अपनी महत्वाकांक्षी नैनो कार निर्माण परियोजना को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि इस परियोजना का कुछ काम पूरा भी हो चुका था। इस परियोजना से हजारों नौजवानों को नौकरियां मिलती। अडाणी समूह की ताजपुर बंदरगाह परियोजना और देउचा पचामी कोयला खदान परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'बंगाल में कोई भेदभाव नहीं है। हम चाहते हैं कि हर उद्योगपति यहां निवेश करे।' कोलकाता में स्कूली नौकरियों के लिए चल रहे आंदोलन की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों को रोजगार देना जारी रखेगी, हालांकि ऐसी ताकतें हैं जो बाधा पैदा करती हैं।

खुद कूड़ा उठाकर अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के चांदनी चौक में सफाई अभियान की शुरुवात की

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

8 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है, पीएम नरेन्द्र मोदी को स्वच्छता अभियान शुरू किए। पीएम मोदी ने खुद ही झाड़ू उठाकर इसकी शुरूआत की थी। बड़े और बच्चों की भी इस अभियान मे ऐसी भागीदारी रही कि पूरी दुनिया के सामने स्वच्छता अभियान एक मिसाल बन गया। जनभागीदारी का ऐसा उदाहरण आजाद भारत में कभी नजर नहीं आया था। देश भर में अब पूरे साल सफाई अभियान चलते रहते हैं और हर साल गांधी जयंती के मौके पर सफाई का विशेष अभियान भी चलाया जाता रहा है। केंद्रीय सूचना, प्रसारण और खेल मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बार दिल्ली के चांदनी चौक में एक विशेष सफाई अभियान में

हिस्सा लिया। चांदनी चौक के टाउन हॉल इलाके में ठाकुर ने आगे बढ़कर कूड़ा उठाकर लोगों को अपने अपने इलाकों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की सफाई का ध्यान रखने की भी अपील की। ठाकुर ने स्थानीय लोगों को कहा कि दिवाली के 2 दिन के बाद वे एक ऐसी जगह चुनें जहां हमेशा कूड़ा जमा होता आया है। वहां की सफाई करें और ऐसी व्यवस्था खड़ी करें कि वहां कूड़ादान लगे और लोग भविष्य में उधर कूड़ा नहीं फेंके। ठाकुर ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर पिछले साल उनके मंत्रालय ने पूरे देश में 75 लाख किलो प्लास्टिक वेस्ट जमा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उससे कहीं ज्यादा जमा हुआ था।

देशी और विदेश पर्यटकों को सुरक्षा देगी टूरिस्ट पुलिस, तमाम राज्यों में टूरिस्ट पुलिस की तैनाती होगी

केंद्र बजट सत्र में नेशनल टूरिज्म पॉलिसी लाएगा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश के तमाम राज्यों में पर्यटकों की सुविधा के लिए जल्द ही टूरिस्ट पुलिस तैनात होगी। केंद्र सरकार की कोशिश है कि अगले साल मार्च तक तमाम राज्यों में टूरिस्ट पुलिस की तैनाती कर दी जाए। दरअसल पर्यटकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की खबरों के बाद ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने टूरिस्ट पुलिस को लेकर एक पूरा खाका तैयार किया है। इतना ही नहीं केंद्र इस बजट सत्र में नेशनल टूरिज्म पॉलिसी भी लाने जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर हुए सम्मेलन में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी के अलावा देश के कई राज्यों के बड़े पुलिस अधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया कि केंद्र नेशनल टूरिज्म पॉलिसी 2022 लाने वाली है।इस बार के बजट सेशन में नेशनल टूरिज्म पॉलिसी लाई जाएगी, जिससे भारत को बड़ा टूरिज्म स्थान बनाया जा सके। मोदी सरकार ने राज्यों से कहा है कि तमाम पर्यटन स्थलों पर टूरिस्ट पुलिस की तैनाती की जाए।

विज्ञान भवन में बुधवार को पर्यटक पुलिस को लेकर चिंतन-मनन हुआ। जहां हर राज्य के प्रतिनिधि शामिल हुए। विदेशी पर्यटकों के साथ व्यवहार को लेकर चौंकाने वाले आंकड़ों ने टूरिस्ट पुलिस की सोच को बल दिया है। दरअसल नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक, साल 2018 में विदेशी पर्यटकों को लेकर 517 मामले आए, जो साल 2019 में घटकर 409 जा पहुंचा। इसमें 41 प्रतिशत मामले चोरी, 7 प्रतिशत महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और 3 प्रतिशत बलात्कार के मामले थे। विदेशी पर्यटकों को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें दिल्ली से आईं, वहीं महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर है। इस सम्मेलन में केंद्रीय पर्यटन मंत्री रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से देश की छवि खराब होती है। ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सही सिस्टम बनाना होगा। पर्यटकों के लिए 24 घंटे सेवा और सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी।

वहीं सम्मेलन में शामिल लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला का सुझाव भी पर्यटकों को लेकर आया।बिड़ला ने आग्रह किया कि एक एप बनाया जाए, जिसमें यहां आने वाले सभी पर्यटकों की जानकारी हो। इसके साथ ही दुनिया की अधिक से अधिक भाषाओं में चीजें उस एप में हों। कोई भी घटना अगर घटती है, तब शिकायत या बाकी तमाम जानकारी उस ऐप में हो।

सार समाचार

दिल्ली में दिवाली पर पटाखे खरीदना और जलाना पड़ सकता है भारी, 200 रुपये के जुर्माने के साथ 6 महीने की हो सकती है जेल

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार काफी सतर्क है। यही कारण है कि दिवाली को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया है कि राष्ट्रीय राजधानी में पटाखे खरीदने और जलाने पर 200 रुपये का जुर्माना और 6 महीने कैद की भी सजा हो सकती है। इससे पहले दिल्ली में 1 जनवरी 2023 तक सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण रूप से दिल्ली सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। इतना ही नहीं, पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा। इसको लेकर भी गोपाल राय ने कई ट्वीट किए थे। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि दिल्ली में लोगों को प्रदूषण के खतरे से बचाने के लिए पिछले साल की तरह ही इस बार भी सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जा रहा है, तांकि लोगों की जिंदगी बचाई जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस बार दिल्ली में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री / डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली सरकार ने पिछले साल भी 28 सितंबर से एक जनवरी 2022 तक राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।

कन्नौज के मजदूरों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों द्वारा किए गए ग्रेनेड हमले में मारे गये कन्नौज के दो मजदूरों के परिजनों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि शोपियां जिला में हमले को लेकर प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक स्थानीय ''हाइब्रिड आतंकवादी'' और एक अन्य संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। ''हाइब्रिड आतंकवादी'' वे लोग होते हैं, जो इस तरह के आत्मघाती हमले करने के बाद अक्सर सामान्य जीवन में वापस लौट जाते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोपियां में आतंकी हमले में मारे गये कन्नौज निवासी मनीष और रामसागर के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि दिए जाने के निर्देश दिए हैं। कन्नौज में जिलाधिकारी शुभ्रंत कुमार शुक्ला ने मंगलवार को कहा था कि पीड़ित दो महीने पहले कश्मीर गये थे और शोपियां जिले में बतौर मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दोनों अन्य मजदूरों के साथ टिन से बने एक आश्रय गृह (शेड) में सो रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उन पर ग्रेनेड से हमला किया। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कहा, ''पोस्टमार्टम होने के बाद मजदूरों के शवों को विमान से लखनऊ लाया जाएगा और सड़क मार्ग से उनके गांव ले जाया जाएगा।

नोएडा के पैथोलॉजी लैब में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली । नोएडा में एक पैथोलॉजी लैब में मंगलवार देर रात को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बुधवार को बताया कि आग को बुझा लिया गया है और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया, ''घटना सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच- ब्लॉक में स्थित एक पैथोलॉजी लैब में देर रात 11 बजे हुई। दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।'' मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच-ब्लॉक में एक पैथोलॉजी लैब में मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई।उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की आधा दर्जन गाड़ियों को भेजा गया और दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और इसके चलते हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

यूपी के 2 मजदूरों की हत्या करने वाला लश्कर हाईब्रिड आतंकी पुलिस के साथ मुठभेड़ में ढेर

श्रीनगर। जम्मू कस्मीर के शोपियां में मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी 2 मजदूरों की हत्या करने वाले लश्कर आतंकियों के साथी को सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि आतंकरोधी अभियान के दौरान लश्कर-ए-तैयबा का हाइब्रिड आतंकवादी इमरान बशीर गनई को ढेर कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रवासी लोगों की हत्या में शामिल अन्य आतंकियों की तलाश में अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि पुलिस और आतंकवादियों के बीच नवगाम इलाके में मुठभेड़ शुरू हुई। इसी आतंकरोधी अभियान के दौरान हाइब्रिड आतंकी इमरान बशीर मारा गया। शोपियां एनकाउंटर उस जगह के काफी करीब शुरू हुआ, जहां कुछ दिनों पहले एक कश्मीरी पंडित को गोली मारी गई थी। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि गिरफ्तार हाइब्रिड आतंकी से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। आतंक विरोधी अभियान के दौरान ही इमरान बशीर की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से विवादित दस्तावेज के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान अभी जारी है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के कन्नौज के रहने वाले 2 प्रवासी मजदूरों की ग्रेनेड हमले में मंगलवार को मौत हो गई थी। आतंकवादी लगातार घाटी में आतंक फैलाने के प्रयास में जुटे हैं। इससे पहले भी प्रवासी मजदूरों की हत्या की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश के 2 मजदूरों की हत्या के बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में लश्कर का हाइब्रिड आतंकवादी इमरान बशीर गनई गिरफ्त में आया था। पिछले कुछ दिनों में आतंकी अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने और दहशत फैलाने की नीयत से घाटी में टारगेट किलिंग को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस और सुरक्षाबल लगातार अभियान चलाकर आतंकवादियों की कमर तोड़ने में जुटे हैं।

रूस की आपदा में भी चीन ने खोज लिया अपने लिए अवसर, घटिया चिप बेचकर कर रहा कमाई

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा रूस फिलहाल कई परेशानियों का सामना कर रहा है। पश्चिमी देशों के लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से उसकी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। कच्चा माल नहीं मिलने से उसके उद्योग-धंधे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस विपत्ति की घड़ी में भी स्वयं को रूस का परम मित्र बताने वाला चीन घटिया हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। रूस पर आई इस आपदा में भी उसने अपने लिए अवसर खोज लिया है। चीन रूस को अब घटिया सेमीकंडक्टर की सप्लाई कर रहा है। इसका पता इस बात से चलता है कि पहले जहां चीन से रूस आए सेमीकंडक्टर में से 2 फीसदी ही खराब निकलते थे, वहीं, अब 40 फीसदी तक सेमीकंडक्टर काम नहीं कर रहे हैं। चीन की आड़े समय में की गई, इस चालबाजी की रूसी मीडिया खूब भर्त्सना कर रहा है। सेमीकंडक्टर में खराबी के बढ़े हुए मामले से अब चीन की नीयत पर ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। रूसी इलेक्ट्रोनिक्स निर्माता अब यह मानने लगे हैं कि चीन रिजेक्टिड माल की सप्लाई रूस को कर रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए प्रतिबंधों के कारण रूस को अब चीन का ही सहारा है। इसी का फायदा चीन उठा रहा है। चीन के सप्लायर्स जानते हैं कि इस समय रूस ज्यादा मोल-भाव करने की स्थिति में नहीं है और न ही वह क्वालिटी को लेकर ज्यादा ना-नुकर कर सकता है। विभिन्न देशों द्वारा रूस पर लगाए प्रतिबंधों के कारण कई कंपनियां रूस छोड़कर चली गई हैं। इससे रूस के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को भारी झटका लगा है। आवश्यक चीजों की भारी किल्लत हो गई है। चीन द्वारा रूस को सप्लाई की जा रही घटिया चिप से चीन के अपनी अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण और केवल वर्ल्ड क्लास प्रोडक्ट्स का उत्पादन करने के वादों पर भी सवाल उठने लगे हैं।

अहमदाबाद में युसूफ अली बनाएंगे 3000 करोड़ रुपये का माल

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात के धनाढ्य कारोबारी युसूफ अली का लुलु ग्रुप इंटरनेशनल, गुजरात में 3000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अहमदाबाद में देश का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल स्थापित किया जाएगा। लुलु समूह के निर्माण और संपर्क विभाग के निदेशक वी नंदकुमार के अनुसार शॉपिंग मॉल का निर्माण अगले साल से शुरू हो जाएगा। लुलु समूह के 2 शॉपिंग मॉल अभी कोच्चि और लखनऊ में चल रहे हैं। अहमदाबाद का यह तीसरा सबसे बड़ा माल होगा।

पाक सीमा पर इस साल दोगुनी बढ़ी ड्रोन एक्टिविटी, ड्रग्स व हथियार तस्करी में हो रहा प्रयोग

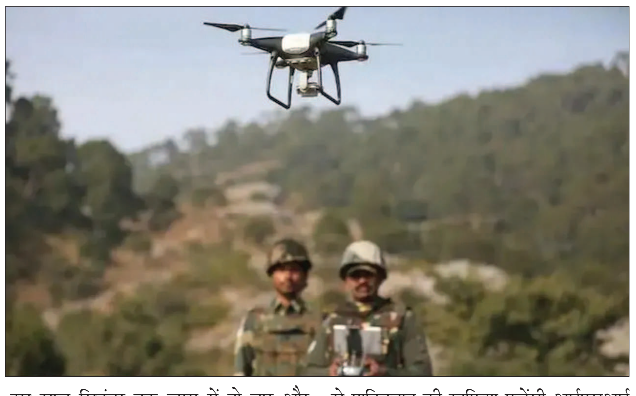

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत-पाक सीमा पर सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी के चलते पाकिस्तान ने हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। पाकिस्तान अब ड्रग्स और हथियारों की तस्करी में ड्रोन का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर रहा है। यही वजह है पिछले साल के मुकाबले इस साल सीमा पर ड्रोन गतिविधियां दोगुनी हो गई हैं।

दरअसल, 2021 में जहां 109 ड्रोन की गतिविधियों को देखा गया था, वहीं इस साल सितंबर तक यह संख्या बढ़कर 214 हो गई है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार गुजरात, जम्मू, पंजाब, राजस्थान और कश्मीर की सीमा पर ड्रोन एक्टिविटी देखी गई है। 2021 से इस साल सितंबर तक कुल 323 बार भारत पाक सीमा और नियंत्रण रेखा पर ड्रोन देखे गए हैं। भारत पाक सीमा की बात करें तो गुजरात सीमा के करीब 6 बार, जम्मू के करीब 51 बार, राजस्थान सीमा के करीब 24 बार और सबसे अधिक पंजाब सीमा के करीब 236 बार ड्रोन देखे गए हैं।

वहीं, एलओसी की बात करें तो 2021 से इस साल सितंबर तक जम्मू में दो बार और कश्मीर में 5 बार ड्रोन देखे गए हैं। इस साल अब तक सुरक्षा एजेंसियों ने कुल 11 ड्रोन मार गिराए हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, ड्रोन से हथियार और ड्रग्स भेजने के लिए पाकिस्तानी जासूस एजेंसी आईएसआई ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा के उस पार ड्रोन हब तैयार किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सीमा पार स्मगलरों और आतंकियों के सहयोग से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ऐसे ड्रोन सेंटर खोले हैं।

फिरोजपुर और अमृतसर के बीच कईं पाक बॉर्डर आउटपोस्ट पर ड्रोन एक्टिविटी देखी गई है। सूत्र बताते हैं कि सीमा के उस पार कई जगहों पर पाक रेंजर्स की मदद से स्मगलर ड्रोन उड़ाते हैं। वहीं, जीपीएस कंट्रोल वाले ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल पाकिस्तान के आतंकी और स्मगलर कर रहे हैं।

भाजपा सांसद ने किया ऐलान, मुलायम सिंह की याद में सभागार बनाने की योजना बना रही है सरकार

बलिया (उर प्रदेश)।(एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में सांसद विकास निधि से संवाद केंद्र बनाने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने अपनी स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 25 लाख रूपये की राशि दिए जाने की भी सिफारिश की। प्रस्तावित संवाद केंद्र (ऑडिटोरियम) का निर्माण बलिया में डिस्ट्रिक्ट सिविल कोर्ट परिसर में किया जाएगा। भाजपा से बलिया के सांसद मस्त मंगलवार को जिला मुख्यालय पर सिविल बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए जहां उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल को पत्र लिखकर सपा के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में संवाद केंद्र बनाने के लिए सांसद विकास निधि से पच्चीस लाख रुपए देने की सिफारिश की। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। एक विनम्र व जमीन से जुड़े नेता के रूप में उन्हें व्यापक रूप से सराहा गया। वह आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से आम लोगों की सेवा की व लोकनायक जयप्रकाश नारायण व डा. राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। भाजपा सांसद ने यादव के आपातकाल के दौरान किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि यादव ने रक्षा मंत्री के रूप में एक मजबूत भारत के लिए कार्य किया।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने 'गरिमा कम' करने वाले मंत्रियों को दी बर्खास्त करने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल सरकार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के बीच कई मुद्दों पर गहरे मतभेद चल रहे हैं। राज्य संचालित केरल विश्वविद्यालय में नियुक्तियों के मुद्दे पर भी उनकी सरकार से ठन गई थी। अब उन्होंने उन मंत्रियों को बर्खास्त करने की धमकी दी है जिन्होंने उनके कार्यालय की 'गरिमा कम' की है। आरिफ मोहम्मद खान ने अपने ट्विटर हैंडल से इसको लेकर बयान जारी किया है।

खान के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को राज्यपाल को सलाह देने का पूरा अधिकार है। लेकिन अलग-अलग मंत्रियों के बयान जो राज्यपाल के पद की गरिमा को कम करते हैं, उन पर कार्रवाई करने का भी उनको अधिकार है।

वहीं वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का नेतृत्व करने वाले माकपा के केंद्रीय नेतृत्व ने कहा है कि संविधान राज्यपाल को 'तानाशाही शक्तियां' नहीं देता है। मोर्चा ने कहा कि इससे सरकार के खिलाफ खान का 'राजनीतिक पूर्वाग्रह' 'उजागर' हो गया है। अब तक ऐसा कोई मामला नहीं आया है, जब राज्यपाल ने एकतरफा रूप से किसी मंत्री को सरकार से बर्खास्त किया हो। संविधान के अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाएगी। तो क्या इसका मतलब यह है कि राज्यपाल किसी मंत्री को बर्खास्त कर सकता है? केरल के राज्यपाल अपने बयान में इसी प्रावधान की ओर इशारा कर रहे थे।

लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य ने कहा अनुच्छेद 164 (1) मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति से संबंधित है। राज्यपाल को मुख्यमंत्री की नियुक्ति करते समय किसी की सलाह लेने की आवश्यकता नहीं होती है, वह मुख्यमंत्री की सिफारिश पर ही मंत्री की नियुक्ति कर सकता है। राज्यपाल के पास किसी को भी मंत्री बनाने के लिए चुनने की शक्ति नहीं है। आचार्य ने आगे कहा कि यदि वास्तव में कोई मंत्री राज्यपाल या उनके कार्यालय की गरिमा को कम करता है, जैसा कि खान के कार्यालय ने आरोप लगाया है, तो राजभवन मुख्यमंत्री से पूछताछ करने के लिए कह सकता है। आचार्य ने कहा अगर यह पाया जाता है कि मंत्री ने राज्यपाल को बदनाम किया है या उनका अपमान किया है, तो वह मुख्यमंत्री से मंत्री को हटाने के लिए कह सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में निवेश को दें महत्व

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने देशों से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल संबंधी प्रणालियों में निवेश करने की महत्ता पर गौर करने पर जोर देते हुए कहा कि ''स्वास्थ्य सुरक्षा के बिना कोई आर्थिक सुरक्षा नहीं'' होती है। डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल ने कहा, ''मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली से स्वास्थ्य आपात स्थितियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है और यह स्वास्थ्य आर्थिक सुरक्षा की बुनियाद है। हाल में कोविड-19 महामारी के कारण व्यापक रूप से यह देखा गया।'' उन्होंने 16 से 18 अक्टूबर तक जर्मनी के बर्लिन में हुए विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में कहा, ''स्वास्थ्य सुरक्षा के बिना कोई आर्थिक सुरक्षा नहीं होती। सभी के लिए स्वास्थ्य, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और महामारी से निपटने की तैयारी की पूरक भूमिकाएं हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल उन्मुख प्रणालियों में निवेश इन लक्ष्यों को हासिल करने की ओर सबसे अधिक प्रभावी तथा न्यायसंगत रुख है।'' सिंह ने कहा कि डॉक्टरों, नर्सों और दायी की उपलब्धि इस दौरान 30 प्रतिशत तक बढ़ गयी है जिसने कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभायी। अगली महामारी से निपटने की तैयारी के लिए सिंह ने स्वास्थ्य प्रणालियों के छह स्तंभों में निवेश और उन्हें मजबूत करने पर जोर दिया।

जमानत रद्द होने से रोकने के लिए तेजस्वी ने कोर्ट में मांगी माफी : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)।

दिल्ली में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को राहत देने के मद्देनजर भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने दावा किया कि उन्होंने अपनी जमानत रद्द होने से रोकने के लिए अदालत में माफी मांगी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा तेजस्वी यादव विशेष सीबीआई अदालत द्वारा सीबीआई अधिकारियों को उनकी धमकी के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेने के बाद बैकफुट पर हैं। उन्होंने राहत पाने के लिए अदालत से माफी मांगी। वह अदालत में अपने बयान पर दृढ़ क्यों नहीं थे?

सीबीआई अदालत ने तेजस्वी यादव पर लगाए गए आरोपों को उनकी जमानत रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं माना, लेकिन उनसे कहा कि सार्वजनिक बयान देते समय अपने शब्दों को चुनने में सावधानी बरतें। इस बीच, तेजस्वी यादव के वकील ने कहा कि अगर उन्होंने सीबीआई अधिकारियों को धमकी दी थी, तो एजेंसी ने उनके खिलाफ प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की।

तेजस्वी यादव इस समय आईआरसीटीसी घोटाले में जमानत पर हैं और सीबीआई ने सितंबर में उनकी जमानत रद्द करने के लिए अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने उन नियमों और शर्तो का उल्लंघन किया है, जिन पर अदालत ने जमानत दी थी। सीबीआई ने अदालत में अपनी शिकायत में कहा कि तेजस्वी यादव और उनके परिवार के सदस्य सीबीआई अधिकारियों को जांच को प्रभावित करने की धमकी देने में शामिल थे। इसके बाद, अदालत ने तेजस्वी यादव को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा था।

तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव, मीसा भारती, हेमा यादव, राबड़ी देवी और अन्य आईआरसीटीसी घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे थे। सीबीआई ने तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ 2017 में प्राथमिकी दर्ज की थी और अदालत ने उन्हें 6 अक्टूबर 2018 को जमानत दे दी थी।

हाईकोर्ट ने कहा- शराबबंदी के गलत क्रियान्वयन से बिहार के लोगों को खतरा

पटना (एजेंसी)।

पटना उच्च न्यायालय ने कहा कि बिहार के लोगों की जान जोखिम में इसलिए पड़ी है क्योंकि राज्य सरकार अपने बहुचर्चित शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रही है। न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह की एकल पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए सरकार की ढिलाई के प्रतिकूल परिणामों यथा शराब से जुड़ी त्रासदियों में तेजी, नशीली दवाओं की लत, अवैध शराब के कारोबार में नाबालिगों का शामिल होना और जब्त बोतलों के अनुचित विनाश से उत्पन्न पर्यावरण के खतरे पर भी बात की।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रदेश की महिलाओं से किए गए वादे के अनुसार अप्रैल 2016 में जदयू नीत सरकार ने राज्य में शराब की बिक्री और खपत पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। पीठ ने मुजफ्फरपुर जिले के एक निवासी की जमानत याचिका को निस्तारित करते हुए उक्त टिप्पणी की।

अदालत ने पाया कि समय-समय पर संशोधित बिहार निषेध और उत्पाद अधिनियम 2016 के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने में राज्य मशीनरी की विफलता से राज्य के नागरिकों का जीवन जोखिम में है। अदालत ने शराबबंदी लागू होने के बाद हो रही बड़ी संख्या में जहरीली शराब की त्रासदी को सबसे चिंताजनक परिणाम के रूप में रेखांकित किया और राज्य सरकार को नकली शराब के सेवन से बीमार होने वालों के इलाज के लिए मानक संचालन प्रोटोकॉल विकसित करने में विफल रहने पर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अवैध शराब में मिथाइल होता है जिसमें से पांच मिली लीटर किसी को अंधा करने के लिए पर्याप्त होता है तथा 10 मिली लीटर अक्सर घातक होता है और यह विचार व्यक्त किया कि ऐसे मरीजों के इलाज के लिए अलग स्वास्थ्य केंद्र होने चाहिए और इसका संचालन विशेष रूप से प्रशिक्षित लोगों द्वारा किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि शराब के अलावा अवैध दवाओं का बड़े पैमाने पर उपयोग चिंता का एक और कारण है और राज्य भर में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने में विफल होने के लिए सरकार की खिंचाई की।

अदालत ने चिंता व्यक्त किया कि चरस, गांजा और भांग की मांग शराबबंदी के बाद से बढ़ गयी और अधिकांश नशा करने वाले 25 साल से कम उम्र के तथा कुछ तो 10 साल से भी कम उम्र के थे। नौकरशाही में भ्रष्टाचार पर अदालत ने कहा कि पुलिस, आबकारी और परिवहन विभागों के अधिकारियों के लिए शराब प्रतिबंध का मतलब बड़ा पैसा है। गरीबों के खिलाफ दर्ज मामलों की तुलना में किंगपिन/सिंडिकेट ऑपरेटरों के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या कम है।

अधिकांश गरीब जो इस अधिनियम के प्रकोप का सामना कर रहे हैं वे दिहाड़ी मजदूर और अपने परिवार में कमाने वाले अकेले सदस्य हैं। अदालत द्वारा राज्य सरकार की कांच या प्लास्टिक से बनी कुचली हुई शराब की बोतलों से चूड़ियाँ बनाने की नवीन नीति की कुछ प्रशंसा की गयी। अदालत ने हालांकि बोतलों में निहित शराब के संबंध में पर्यावरण के अनुकूल नीति की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि जिन स्थानों पर इसे नष्ट किया जाता है वहां के इलाकों में भूमिगत जल और मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो गई है।

पूर्ण शराबबंदी वाले राज्य में शराब की तस्करी का एक नया तरीका नाबालिगों को काम पर रखने पर भी अदालत द्वारा चिंता व्यक्त की गई और कहा गया कि तस्कर जानते हैं कि उनके (बच्चे) पकडे जाने पर उनका ट्रायल जुवेनाइल कोर्ट (किशोर अदालत) में होगा और वे कुछ महीनों में छूट जाएंगे।

सबको देख लिया, एक बार भाजपा पर भी भरोसा करके देखें पसमांदा मुस्लिम: उपमुख्यमंत्री

लखनऊ।(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर मुसलमानों को पिछड़ा बनाए रखने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि पसमांदा (पिछड़ा) मुस्लिम समाज ने सब पर भरोसा करके देख लिया है, अब एक बार भाजपा पर भी यकीन करके देखे। मौर्य ने उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आयोजित पसमांदा मुस्लिम जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा, आपने कभी सपा, कभी बसपा तो कभी कांग्रेस को वोट देकर मजबूत किया। वे आपके सहयोग से राजनीति के ऊंचे मुकाम पर पहुंचे। यहां से जाने के बाद आप ईमानदारी से हिसाब लगाइएगा कि वास्तव में जो लोग अभी तक आपका वोट लेकर राज करते थे, उन्होंने आपके साथ क्या किया। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, इन पार्टियों ने जहर फैलाकर मुसलमानों को भाजपा से दूर रखने का काम किया। दूसरी पार्टियों ने पसमांदा समाज को जानबूझकर पीछे छोड़ दिया। उनका यही सोचना था कि आप मुसीबत से जूझते रहें और जब वोट देने की बात आएगी तब कोई जहरीला बयान देकर आपके वोट ले लेंगे और फिर आपको आपके हाल पर छोड़ देंगे, लेकिन हम (भाजपा) आपके पहरेदार बन कर सच्चे सेवक की तरह आपकी सेवा करेंगे।

मौर्य ने पसमांदा मुसलमानों से आने वाले हर चुनाव की बागडोर अपने हाथ में लेने का आह्वान करते हुए कहा, आपने सब पर भरोसा कर कर देख लिया, जरा एक बार भाजपा पर भी भरोसा करके देख लीजिए। देश की राजनीति की मुख्यधारा भारतीय जनता पार्टी ही है। जिन लोगों ने पसमांदा मुसलमानों का अभी तक सिर्फ इस्तेमाल किया, उन्हें सबक सिखाना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा, इस सम्मेलन के बाद खुद को मुसलमानों का ठेकेदार समझने वाले राजनीतिक दलों में खलबली शुरू हो जाएगी लेकिन अभी तो यह झांकी है अभी तो पूरी पिक्चर बाकी है। आने वाले समय में जब हर नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में पसमांदा मुसलमानों को लेकर ऐसे कार्यक्रम होंगे, तब इनका क्या हाल होगा। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुसलमान अपने सात-आठ सवाल चुनकर रख लें और जब सपा, बसपा या कांग्रेस के लोग भाजपा के साथ जुड़ने पर उन्हें बरगलाएं तो उनसे सवाल किया जाए कि जब उनकी पार्टी सत्ता में थी तब मुसलमानों के घर में मुफ्त शौचालय क्यों नहीं बना, मुफ्त गैस कनेक्शन क्यों नहीं पहुंचा और आयुष्मान योजना का लाभ क्यों नहीं दिया गया।

प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खास तौर पर पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए काम किया है। उन्होंने मुसलमानों का शैक्षणिक और सामाजिक उत्थान तो किया ही है आने वाले समय में उनका राजनीतिक उत्थान भी किया जाएगा। उन्होंने कहा, पसमांदा समाज हमेशा से पिछड़ा रहा है। यह मुस्लिम समाज का एक अहम अंग है और उसका सशक्तिकरण किए बगैर मुस्लिम कौम को सशक्त नहीं किया जा सकता। सरकार मुसलमानों को तरक्की के मंच पर लाकर उन्हें आगे बढ़ाने के मकसद से काम कर रही है। गौरतलब है कि पसमांदा यानी मुसलमानों के पिछड़े वर्गों की उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों की कुल आबादी में 85त्न हिस्सेदारी है। मुसलमानों की 41 जातियां इस समाज में शामिल हैं। इनमें कुरैशी, अंसारी, सलमानी, शाह, मंसूरी और सिद्दीकी प्रमुख हैं। भाजपा मुस्लिम समाज के इस बड़े वर्ग को अपने पाले में लाने के प्रयास के तहत जगह-जगह पसमांदा सम्मेलन आयोजित कर रही है।

अमेरिकी नागरिक को विवादित ट्वीट करने के मामले में सऊदी अरब में 16 साल की सजा

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक नागरिक को कुछ विवादस्पद ट्वीट करने के मामले में सऊदी अरब में 16 साल जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी नागरिक के बेटे ने यह जानकारी दी। अमेरिकी नागरिक साद इब्राहिम अलमादी (72) ने यह ट्वीट अमेरिका में रहते हुए करीब सात साल पहले किए थे। 'वॉशिंगटन पोस्ट' की खबर की पुष्टि करते हुए इब्राहिम के बेटे ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उनके पिता एक सेवानिवृत्त 'प्रोजेक्ट मैनेजर' थे और फ्लोरिडा में रहते थे। वह पिछले साल नवंबर में परिवार से मिलने सऊदी अरब की यात्रा पर आए थे और तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अलमादी अमेरिका और सऊदी अरब दोनों देशों के नागरिक हैं। सऊदी अधिकारियों ने इस मामले पर अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने वाशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अलमादी को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की। पटेल ने कहा, '' हमने सऊदी सरकार के आलाकमान के समक्ष लगातार गंभीरता से अपनी चिंताएं जाहिर की हैं और आगे भी हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हमने कल भी सऊदी अरब की सरकार के सदस्यों के समक्ष यह मुद्दा उठाया था।'' इब्राहिम के बेटे ने बताया कि उनके पिता को सात साल पहले किए गए ''कुछ मामूली से ट्वीट'' को लेकर पकड़ा गया। उनमें उन्होंने सरकारी नीतियों और कथित भ्रष्टाचार की आलोचना की थी। उन्होंने बताया कि उनके पिता कोई कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि एक आम नागरिक हैं जो अमेरिका में रहते हुए अपनी राय व्यक्त कर रहे थे, जहां विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है। इब्राहिम के बेटे ने बताया कि उनके पिता को आतंकवाद का समर्थन करने के मामले में तीन अक्टूबर को 16 साल जेल की सजा सुनाई गई। उन पर आतंकवादी कृत्यों की जानकारी देने में विफल रहने का आरोप भी लगाया गया। उन पर 16 साल का यात्रा प्रतिबंध भी लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के अधिकारियों ने उन्हें मामले पर चुप्पी साधे रहने की धमकी दी और अमेरिकी सरकार को इसमें शामिल ना करने को लेकर भी आगाह किया।

उइगर मुस्लिमों की जिंदगी जहन्नुम बना कर पाकिस्तान का हितैशी बना चीन! लश्कर के शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने से रोका

जहां चीन अपने देश में आतंकवात पर लगाम लगाने की दुहाई देकर उइगर मुस्लिम पर मानवता को शर्मसार करने वाले अत्याचार कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के आतंकवादियों का संरक्षक बना हुआ हैं। पूरी दुनिया जिसे वैश्विक आतंकवादी घोषित कर चुकी है उसे चीन अपने हित के लिए खुली छूट देने पर अमादा हैं। चीन ने एक बार फिर पाकिस्तान प्रेम में आकर भारत के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संघ में वोटिंग की हैं। चीन ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकवादी की सूची में शामिल कराने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र में बाधित कर दिया। चीन ने विश्व निकाय में किसी आतंकवादी को प्रतिबंधित सूची में डालने के प्रयास को चार महीनों के अंदर चौथी बार बाधित किया है। ऐसा बताया जा रहा है कि चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की '1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को बाधित कर दिया है। हालिया महीनों में यह चौथी बार है जब चीन ने '1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत पाकिस्तान स्थित किसी आतंकवादी को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव को बाधित किया है। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने दिसंबर 2016 में महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया था। आपको बता दें कि हाल ही में जब चीन के खिलाफ UNHRC में उइगर मुस्लिम को लेकर प्रस्ताव आया था तब भारत ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया था। वह अपसेंट रहा था क्योंकि भारत को लगता है कि उइगर मुस्लिमों का मुद्दा चीन का आंतरिक मामला हैं और उसने UNHRC में लाये गये प्रस्ताव में हिस्सा न लेकर एक सरह से चीन का समर्थन ही किया था लेकिन चीन ने ऐसा नहीं किया। उसने पाकिस्तान का एक बार फिर से डंके की चोट पर समर्थन किया।

अमेरिका ने भारत को लौटाई 307 प्राचीन वस्तुएं

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने करीब 15 साल की जांच के बाद 307 प्राचीन वस्तुओं को भारत को लौटाया जिन्हें चुराकर या तस्करी के जरिये देश से बाहर ले जाया गया था। इन वस्तुओं की कीमत करीब 40 लाख अमरीकी डॉलर है। इनमें से अधिकतर वस्तुएं कुख्यात व्यापारी सुभाष कपूर के पास से बरामद की गईं। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने भारत को करीब 40 लाख डॉलर की 307 प्राचीन वस्तुएं लौटाने की सोमवार को घोषणा की। ब्रैग ने बताया कि इनमें से 235 वस्तुओं को मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय द्वारा कपूर के खिलाफ की गई छापेमारी में जब्त किया गया था। कपूर ''अफगानिस्तान, कंबोडिया, भारत, इंडोनेशिया, म्यांमा, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, थाईलैंड और अन्य देशों से वस्तुओं की तस्करी करने में मदद करता है।'' मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक समारोह के दौरान ये प्राचीन वस्तुएं भारत को सौंपी गईं। भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल और अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के 'इंवेस्टिगेशन एक्टिंग डिप्टी स्पेशल एजेंट-इन-चार्ज' क्रिस्टोफर लाउ ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। ब्रैग ने कहा, '' इन प्राचीन वस्तुओं को तस्करों के गिरोहों ने कई स्थानों से चोरी किया था। इन गिरोह के सरगनाओं ने वस्तुओं के सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया।'' उन्होंने कहा, '' हमें भारत के लोगों को ये सैकड़ों वस्तुएं लौटाने पर गर्व है।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान पिछले साल भी अमेरिका ने 157 प्राचीन वस्तुएं लौटाई थीं।

माइक्रोसॉफ्ट ने 1,000 कर्मचारियों दो दिखाया बाहर का रास्ता

सैन फ्रांसिस्को । टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने विभिन्न डिवीजनों में कार्यरत करीब 1,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। टेक दिग्गज ने इस खबर पर प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार करीब 1,000 कर्मचारियों की छंटनी की गई है।

माइक्रोसॉफ्ट ने अपने बयान में कहा सभी कंपनियों की तरह, हम नियमित आधार पर अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं का मूल्यांकन करते हैं और उसके अनुसार संरचनात्मक समायोजन करते हैं। हम अपने व्यवसाय में निवेश करना जारी रखेंगे और आने वाले वर्ष में प्रमुख विकास क्षेत्रों में काम करेंगे। छंटनी किए गए कर्मचारियों ने ट्विटर और ब्लाइंड, अन्य ऑनलाइन मंचों के साथ नौकरी जाने का दर्द बयां किया है। लगभग सभी प्रमुख टेक फर्मों ने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि को धीमा कर दिया है, जिसमें कई आवश्यक कर्मचारियों को छोड़कर सभी को फ्रीज कर दिया गया है। मेटा ज्यादातर डिवीजनों में बजट में कटौती की योजना बना रही है। माना जा रहा है कि वह भी छंटनी करेगी। इस बीच, पिछले कुछ महीनों में, टेक दिग्गज ने वैश्विक स्तर पर लगभग 2,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। अन्य तकनीकी कंपनियों ने या तो कर्मचारियों की छंटनी की है या मौजूदा आर्थिक मंदी में धीमी गति से काम पर रखा है, उनमें गूगल, मेटा, ओरेकल, ट्विटर, एनवीडिया, स्नैप, उबर, स्पॉटिफ, इंटेल और सेल्सफोर्स शामिल हैं।

ब्रिटेन के 30 पूर्व सैन्य पायलट चीनी आर्मी को कर रहे प्रशिक्षित, ब्रिटिश सरकार हुई सतर्क

लंदन । ब्रिटिश सरकार ने कहा कि वह चीन में पीपल्स लिबरेशन आर्मी के जवानों को प्रशिक्षित करने के लिए सेवारत और पूर्व ब्रिटिश सैन्य पायलटों की भर्ती की चीनी कोशिशों को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। खबरों के अनुसार, ऐसा समझा जा रहा है कि ब्रिटेन के 30 पूर्व सैन्य पायलट चीनी सेना के सदस्यों को प्रशिक्षित करने गए हैं और इस तरह के भर्ती अभियानों के खिलाफ रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) तथा अन्य सशस्त्र बल के अधिकारियों को गोपनीय सूचना देकर सतर्क किया जा रहा है।

भर्ती प्रक्रिया ब्रिटेन के मौजूदा कानूनों का उल्लंघन नहीं करती, लेकिन रक्षा मंत्रालय के अनुसार नया राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक इस तरह की 'सुरक्षा चुनौतियों' से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय उपलब्ध कराएगा। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, हम चीन में पीपल्स लिबरेशन आर्मी के जवानों को प्रशिक्षित करने के लिए सेवारत और पूर्व ब्रिटिश सैन्य पायलटों की भर्ती की चीनी कोशिशों को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, सभी सेवारत और पूर्व अधिकारी पहले ही सरकारी गोपनीयता कानून के दायरे में आते हैं और हम रक्षा क्षेत्र में गोपनीयता अनुबंधों तथा खुलासा नहीं करने संबंधी समझौतों की समीक्षा कर रहे हैं, वहीं नया राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक मौजूदा समेत समकालिक चुनौतियों से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय उपलब्ध कराएगा।''

मैक्सिको में वेनेजुएला की विस्थापित लड़कियां अमेरिका से उनके परिवारों को बाहर कर दिये जाने को लेकर रियो ब्रेवो नदी के तट पर विरोध प्रदर्शन करती हुईं।

जीवन भर पैसा बचाया, शादी भी नहीं की, जीवन भर की जमापूंजी खर्च कर महिला ने किए टाइटैनिक के दीदार

वॉशिंगटन । टाइटैनिक जहाज को सबसे सुरक्षित जहाज कहा जाता था, लेकिन यह 1911 में अपनी पहली ही यात्रा के दौरान हादसे का शिकार होकर समुद्र में डूब गया। टाइटैनिक के डूबने के 110 साल बाद भी इससे जुड़ी कहानियां सुनने को मिलती रहती हैं। पानी के अंदर डूबे इस जहाज को देखने का कई लोगों का सपना होता है। हाल ही में एक महिला ने इस डूबे हुए जहाज को देखने की ख्वाहिश को पूरा किया है। महिला पानी के भीतर टाइटैनिक के मलबे को देखना चाहती थी। रेनाटा नाम की महिला ने टाइटैनिक को देखने के लिए 2 करोड़ रुपए खर्च किए। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही उसकी ख्वाहिश थी कि वह टाइटैनिक के मलबे को देखे। महिला ने साइंस की पढ़ाई की और इस उम्मीद में समुद्र विज्ञान का विकल्प चुना कि वह टाइटैनिक के मलबे को खोजने वाली पहली इंसान होगी। लेकिन दुर्भाग्य से उसके एडमिशन के एक सप्ताह बाद ही टाइटैनिक का मलबा खोज निकाला गया, जिसके बाद महिला ने अपना कैरियर बदल लिया। महिला ने कैरियर बदलने के बाद भी टाइटैनिक को खोजने की ख्वाहिश को दिल में जीवित रखा। 30 वर्षों से ज्यादा समय तक उसने इसके लिए पाई-पाई जोड़ी। इन दिनों महिला के टाइटैनिक जहाज दर्शन की क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर की जा रही है। इसमें वह खास तरह की पनडुब्बी के जरिए पानी के अंदर गई।

साउथ कोरिया को डराने की कोशिश में है उत्तर कोरिया

- बॉर्डर पर दागे 250 गोले, जमकर की गोलीबारी

सियोल (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने मंगलवार देर रात दक्षिण कोरिया के साथ लगती समुद्री सीमा पर गोले दागे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दक्षिण कोरिया ने एक दिन पहले उत्तर कोरिया के उकसावे वाली कार्रवाई से बेहतर तरीके से निपटने के लिए सालाना सैन्य अभ्यास शुरू किए थे। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने उसके पश्चिमी तट पर करीब 100 गोले और पूर्वी तट पर 150 गोले दागे। उसने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने उत्तर कोरिया को गोलाबारी बंद करने के लिए कहते हुए कई बार संदेश दिए। हालांकि, दोनों शत्रु देशों के बीच हिंसा की कोई खबर नहीं है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि गोले दक्षिण कोरिया के समुद्री क्षेत्र में नहीं, बल्कि समुद्री बफर जोन के भीतर गिरे। बता दें कि इससे पूर्व उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को समुद्र की दिशा में एक और बैलिस्टिक मिसाइल और 170 राउंड गोला-बारूद दागे थे। उसने दक्षिण कोरिया से सटी तनावपूर्ण सीमा के पास युद्धक विमान भी उड़ाए, जिससे हाल ही में उत्तर कोरिया के हथियारों के परीक्षण से क्षेत्र में उत्पन्न तनाव और बढ़ गया।

उत्तर कोरिया का यह कदम बताता है कि वह विरोधियों से रियायत पाने के लिए हथियारों का परीक्षण कर युद्ध का भय दिखाने के अपने पुराने पैंतरे को आजमा रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान जारी कर कहा था कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से स्थानीय समयानुसार शुक्रवार देर रात एक बजकर 49 मिनट पर कम दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई, जो देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र में जाकर गिरी। 25 सितंबर से हथियार परीक्षण गतिविधियां फिर से शुरू करने के बाद से यह उत्तर कोरिया का 15वां मिसाइल प्रक्षेपण है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में कहा था कि उसके द्वारा आजमाई गई मिसाइलें दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी ठिकानों पर परमाणु हमले करने में सक्षम हैं। उसने कहा था कि ये परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के जरिये क्षेत्र में किए गए खतरनाक सैन्य अभ्यास का जवाब थे। खबरों के मुताबिक हालिया मिसाइल परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तट से 130 और पूर्वी तट से 40 राउंड गोले दागे थे।

रूस को ड्रोन और मिसाइल भेजेगा ईरान

- ईरान ने रूस को मिसाइलें और ड्रोन देने का किया है वादा

मॉस्को (एजेंसी)।

यूक्रेन-रूस जंग के बीच ईरान मॉस्को को हथियार भेज रहा है। ईरान ने रूस को मिसाइलें और ड्रोन देने का वादा किया है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर कामीकाजी ड्रोन से हमला किया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 6 अक्टूबर को समझौते पर सहमति बनी, जब ईरानी उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के दो वरिष्ठ अधिकारी और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक अधिकारी ने हथियारों की डिलीवरी के बारे में रूस के साथ बातचीत के लिए मास्को का दौरा किया था। यात्रा के बारे में जानकारी देने वाले ईरानी राजनयिकों में से एक ने कहा ?कि रूस ने और अधिक ड्रोन और बेहतर सटीकता के साथ ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों के बारे में चर्चा की है, जिसमें फतेह और जोल्फाघर मिसाइलें शामिल हैं।रिपोर्ट के अनुसार हथियारों की आपूर्ति बहुत जल्द दो से तीन शिपमेंट में होंगी, इसके लिए अधिकतम 10 दिन लगेंगे. ईरान द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले ड्रोनों में से एक शहीद-136 है, जो एक डेल्टा-पंख वाला हथियार है, जिसका इस्तेमाल कामीकाजी ड्रोन की तरह ही होता है। यह हवा से सतह पर हमला करने वाले विमान के रूप में किया जाता है. फतेह-110 और ज़ोल्फ़ाघर कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो 300 किमी और 700 किमी (186 और 435 मील) के बीच की दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम होती हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक एक यूरोपीय राजनयिक ने कहा कि उनके देश का आकलन है कि रूस को अपने औद्योगिक क्षेत्र पर प्रतिबंध के कारण हथियार बनाना अधिक कठिन लग रहा है और इसलिए वह ईरान और उत्तर कोरिया जैसे भागीदारों से आयात कर रहा है। हाल के हफ्तों में रूस ने यूक्रेन में ईरान-निर्मित शहीद-136 ड्रोन द्वारा हमला किया था, वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय ने रूस को ड्रोन और अन्य हथियारों की आपूर्ति करने की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। क्रेमलिन ने भी माना कि उसके बलों ने यूक्रेन पर हमला करने के लिए ईरानी ड्रोन का इस्तेमाल नहीं किया था।

हम पाकिस्तान के साथ, आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत साझेदारी चाहते हैं: अमेरिका

ब्रसेल्स (एजेंसी)।

बाइडन प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका सभी क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवादी खतरों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की ओर से सहयोग की उम्मीद कर रहा है। विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'कुछ देशों ने पाकिस्तान की तरह आतंकवाद का सामना किया है और वे क्षेत्रीय अस्थिरता व क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरों जैसे टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) का मुकाबला करने में साझा रुचि रखते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हम पाकिस्तान के साथ, आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत साझेदारी चाहते हैं। सभी आतंकवादियों व आतंकवादी समूहों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। हम सभी क्षेत्रीय व वैश्विक आतंकवादी खतरों को खत्म करने के लिए सहयोग को लेकर तत्पर हैं।' पटेल ने पाकिस्तान में, अमेरिकी राजदूत को तलब किए जाने के बारे में सवालों के जवाब देने से परहेज किया। पटेल ने कहा, 'मेरे पास कोई विशेष जानकारी नहीं है। जैसा कि आप जानते हैं, अमेरिका नियमित रूप से नियमित अंतराल पर पाकिस्तानी अधिकारियों से बात करता है और पाकिस्तान भी ऐसा ही करता है ।

लश्कर-ए-तैयबा के शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव को चीन ने किया बाधित

न्यूयार्क (एजेंसी)।

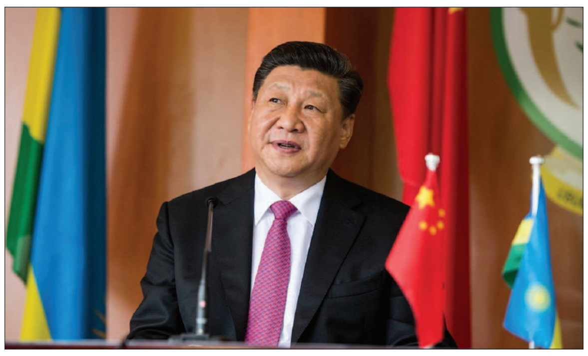

जहां चीन अपने देश में आतंकवाद पर लगाम लगाने की दुहाई देकर उइगर मुस्लिम पर मानवता को शर्मसार करने वाले अत्याचार कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के आतंकवादियों का संरक्षक बना हुआ हैं। पूरी दुनिया जिस वैश्विक आतंकवादी घोषित कर चुकी है उसे चीन अपने हित के लिए खुली छूट देने पर अमादा हैं। चीन ने एक बार फिर पाकिस्तान प्रेम में आकर भारत के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संघ में वोटिंग की हैं।

चीन ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी शाहिद महमूद को वैश्विक आतंकवादी की सूची में शामिल कराने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र में बाधित कर दिया। चीन ने विश्व निकाय में किसी आतंकवादी को प्रतिबंधित सूची में डालने के प्रयास को चार महीनों के अंदर चौथी बार बाधित किया है। ऐसा बताया जा रहा है कि चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की '1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को बाधित कर दिया है। हालिया महीनों में यह चौथी बार है जब चीन ने '1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत पाकिस्तान स्थित किसी आतंकवादी को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के प्रस्ताव को बाधित किया है। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने दिसंबर 2016 में महमूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया था।

बता दें कि हाल ही में जब चीन के खिलाफ यूएनएचआरसी में उइगर मुस्लिम को लेकर प्रस्ताव आया था तब भारत ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया था। वह अपसेंट रहा था क्योंकि भारत को लगता है कि उइगर मुस्लिमों का मुद्दा चीन का आंतरिक मामला हैं, भारत ने यूएनएचआरसी में लाए गए प्रस्ताव में हिस्सा न लेकर एक तहर से चीन का समर्थन ही किया था लेकिन चीन ने ऐसा नहीं किया।

लुप्त ब्लेकहोल से तीन साल बाद फिर जगमगाया आसमान, वैज्ञिनक भी हैरान

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

आकाशगंगाओं के रहस्य की पड़ताल में लगे खगोलविदों ने एक बड़ा रहस्य उजागर किया है। एक छोटा तारा पृथ्वी से 66.5 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर स्थित आकाशगंगा (गैलेक्सी) में एक ब्लैक होल के बहुत करीब जाने पर टुकड़ों में बिखर गया था। यह घटना खगोलविदों के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, क्योंकि रात के आकाश को स्कैन करते समय उन्हें ऐसी घटनाओं अक्सर दिखती हैं। लेकिन इस घटना के तीन साल बाद भी, वह ब्लैक होल फिर से आसमान को रोशन कर रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ब्लैक होल ने कुछ नहीं निगला। हाल ही में किए गए शोध से पता चलता है कि ब्लैक होल अब प्रकाश की गति की आधी गति से यात्रा करने वाले मैटीरियल को बाहर निकाल रहा है। लेकिन यह पता नहीं चला है कि इसमें इतने सालों की देरी क्यों हुई।

एक जर्नल में प्रकाशित शोध के लेखक यवेटे सेंडेस का कहना है कि हम हैरान हैं। इससे पहले किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं देखा था। उनका कहना है कि इस शोध के नतीजों से वैज्ञानिक ब्लैक होल के फीडिंग व्यवहार को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। सेंडेस इस व्यवहार की तुलना खाना खाने के बाद आई डकार से करते हैं। टीम ने पिछले कुछ सालों में हुईं टाइडल डिसरप्शन की घटनाओं (टीडीई) की समीक्षा करते हुए कुछ असामान्य देखा। न्यू मैक्सिको में वेरी लार्ज एरे (वीएलए) के रेडियो डेटा से पता चला कि जून 2021 में, ब्लैक होल रहस्यमय तरीके से फिर से जीवित हो गया था। सेंडेस और उनकी टीम ने इस घटना की बारीकी से जांच की। टीम ने वीएलए, चिली की एलएमए ऑब्ज़रवेटरी, दक्षिण अफ्रीका की मार्केट, ऑस्ट्रेलिया के ऑस्ट्रेलियन टेलीस्कोप कॉम्पैक्ट ऐरे, चंद्रा एक्स-रे ऑब्ज़रवेटरी और अंतरिक्ष में नील गेहरल्स स्विफ्ट ऑब्ज़रवेटरी का इस्तेमाल करके, प्रकाश की कई वेवलेंथ में टीडीई- एटी 2018एचवाईजेड की जांच की और डेटा इकट्ठा किया।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में एस्ट्रोनॉमी के प्रोफेसर और स्टडी के सहलेखक एडो बर्जर का कहना है कि हम एक दशक से भी ज्यादा समय से रेडियो टेलीस्कोप के साथ टीडीई का अध्ययन कर रहे हैं। हम कभी कभी लगता है कि वे रेडियो तरंगों में चमकते हैं, क्योंकि पहले ब्लैक होल उन्हें निगल लेता है और बाद में उसे उगलता है। लेकिन एटी2018एचवाईजेड में पहले तीन सालों तक रेडियो तरंगे मौन थीं, और अब यह अब तक के देखे गए सबसे ज्यादा रेडियो ल्यूमिनस टीडीई बन गया है।

स्पेस टेलीस्कोप साइंस इंस्टीट्यूट में पोस्टडॉक्टरल फेलो और पेपर के सह-लेखक सेबेस्टियन गोमेज़ का कहना है कि 2018 में जब उन्होंने पहली बार विज़बिल लाइट टैलिस्कोप से एटी2018एचवाईजेड का का अध्ययन किया, तब वह बहुत अनोखा था। गोमेज़ ने यह गणना करने के लिए सैद्धांतिक मॉडल का इस्तेमाल किया कि ब्लैक होल ने जिस तारे के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे, वह तारा हमारे सूर्य के द्रव्यमान का केवल दसवां हिस्सा था। टीडीई प्रकाश उत्सर्जित करने के लिए जाने जाते हैं। जैसे ही कोई तारा ब्लैक होल के पास आता है, गुरुत्वाकर्षण बल तारे को फैलाना शुरू कर देता है। आखिरकार, मैटीरियल ब्लैक होल के चारों ओर फैलकर गर्म हो जाता है। इससे एक फ्लैश बनती है जिसे खगोलविद लाखों प्रकाश वर्ष दूर से भी देख सकते हैं। कुछ स्पेगेटीफाइड सामग्री कभी-कभी वापस अंतरिक्ष में चली जाती है। खगोलविद इसकी तुलना ब्लैक होल से करते हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे कुछ भी निगल सकते हैं। लेकिन उत्सर्जन, जिसे आउटफ्लो के तौर पर जाना जाता है, आमतौर पर टीडीई के बाद तुरंत विकसित होता है। सेंडेस कहते हैं कि ऐसा लगता है जैसे इस ब्लैक होल ने सालों पहले खाए गए तारे से कुछ मैटीरियल अचानक से बाहर उगल दिया है।

संपादकीय

बदलावकारी पहल

यह अच्छी बात है कि इस घोषणा के साथ ही सौ के करीब चिकित्सकों की एक टीम ने प्रथम वर्ष की मेडिकल की कुछ पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में किया है। लेकिन यह मात्र शुरुआत भर है इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। आजादी के बाद राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने के मकसद से अंग्रेजी के शब्दों का जिस तरह जटिल शब्दों के रूप में अनुवाद किया गया, उससे हिंदी उपहास का ही पात्र बनी।

मानकों के अनुरूप सरल हो हिंदी पाठ्यक्रम/ यह सुकूनभरी खबर है कि मध्यप्रदेश में चिकित्सा शास्त्र की पढ़ाई की हिंदी में शुरुआत की गई है। यह विडंबना है कि इस मुकाम तक पहुंचने में हमें सात दशक लग गये। देर से सही, इस शुरुआत को तार्किक परिणति तक पहुंचाने के लिये व्यावहारिक व वक्त की जरूरत के अनुरूप गुणवत्ता के प्रयासों की जरूरत है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य भी रहा है कि विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा प्रदान की जाये। दरअसल, अब तक भारतीय प्रतिभाओं को अपनी आधी ऊर्जा अंग्रेजी सीखने में खर्च करनी पड़ती थी। खासकर गांव-देहात के उन छात्रों को यह समस्या झेलनी पड़ती थी, जहां कई स्कूलों में छठी कक्षा के बाद अंग्रेजी भाषा का परिचय होता था। यह इसलिये भी होना चाहिए था कि जनभाषा में शिक्षा हासिल करने से मरीज व डाक्टर के बीच सहज-सरल संवाद-संपर्क हो पायेगा। यह अच्छी बात है कि इस घोषणा के साथ ही सौ के करीब चिकित्सकों की एक टीम ने प्रथम वर्ष की मेडिकल की कुछ पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में किया है। लेकिन यह मात्र शुरुआत भर है इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। आजादी के बाद राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने के मकसद से अंग्रेजी के शब्दों का जिस तरह जटिल शब्दों के रूप में अनुवाद किया गया, उससे हिंदी उपहास का ही पात्र बनी। लोगों से जोड़ने का मकसद लक्ष्य को न पा सका। बैंकों व अन्य संस्थानों में अंग्रेजी के जिन भारी-भरकम शब्दों का हिंदी में अनुवाद किया गया, वे इतने दुरूह व अव्यावहारिक थे कि लोगों को अंग्रेजी के शब्दों के प्रयोग में ही सुविधा होने लगी। कई बैंक अधिकारी भी इन शब्दों के उपयोग से परहेज करने लगे। ऐसी ही जटिल हिंदी का प्रयोग कई संस्थानों व सार्वजनिक स्थलों में नाम पट्टिका के अनुवाद के नाम पर किया गया कि इससे आमजन का मोह भंग होने लगा। कम से कम अब जब मेडिकल शिक्षा की हिंदी में उत्साहजनक शुरुआत हुई है तो इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। निस्संदेह, दुनिया में रूस, चीन, जापान आदि देशों ने मातृभाषा में मेडिकल व तकनीकी शिक्षा देकर दशकों पहले ये लक्ष्य हासिल कर लिये थे। आज जरूरत इस बात की है कि हिंदी में मेडिकल शिक्षा के उपलब्ध पाठ्यक्रम जहां अनुवाद की जटिलताओं से मुक्त हों, वहीं ज्ञान की दृष्टि से वैश्विक मानकों के अनुरूप हों। वहीं यह अच्छी बात है कि इस शुरुआत पर फिजियोलॉजी, एनाटॉमी व बायोकेमेस्ट्री की जो तीन पुस्तकें हिंदी में आई हैं उनमें तकनीकी शब्दों को नहीं बदला गया है। लोगों के जीवन से जुड़ा शिक्षा का यह क्षेत्र गंभीर प्रयासों की जरूरत बताता है। चिकित्सा विज्ञान नित नये शोधों का समावेश करके मेडिकल की पढ़ाई को समृद्ध कर रहा है। ऐसे में हिंदी में शुरू किये गये मेडिकल पाठ्यक्रम को लगातार अपडेट करने की जरूरत रहेगी। इसके लिये योग्य व अनुभवी विशेषज्ञों की मदद लगातार लेनी चाहिए। बल्कि दक्षिण में हिंदी का विरोध करने वाले राज्यों को भी प्रोत्साहित करना होगा कि मातृभाषा में तकनीकी व मेडिकल की पढ़ाई की शुरुआत में सहयोग करें। निस्संदेह, इसमें विभिन्न भाषाओं के सर्वमान्य व स्वीकार्य शब्दों के प्रयोग से भाषा को और समृद्ध किया जा सकता है। यहां मध्य प्रदेश सरकार की वह घोषणा भी स्वागत योग्य है जिसमें आने वाले समय में इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक की पढ़ाई हिंदी में कराने की बात कही गई है। इससे उम्मीद जगी है कि मातृभाषा में पढ़ाई से छात्रों की मौलिक प्रतिभा का विकास होगा। वहीं यह भी महत्वपूर्ण है कि स्वदेशी भाषा में पढ़ाई करने से दशकों से विद्यमान ब्रेन ड्रेन की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी।

सूक्ति

अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते है तो वह सफलता ही है। - मैल्कम फोर्ब्स

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। जॉन टिलोटसन

लॉफिंग ज़ोन

एक साहिब को अंग्रेजी कम आती थी. वे खाना खाने रेस्तरां गए. वेटर ने मीनू(खाने की सूची) लाकर मेल पर रख दी. इत्तेफाक से वो साहिब अपना चश्मा भी घर भूल आए थे. उन्होंने मीनू पर नजर डाल कर आर्डर दिया.

वेटर हैरान खड़ा था. मैनेजर ने उसे पूछा, 'इन साहिब का आर्डर क्यों नहीं लाते?'

वेटर बोला, 'कैसे लाऊं? पहले यह कहते हैं भुना हुआ लाओ और फिर आपके नाम पर उंगली रख देते हैं.'

☺ ☺ ☺

क्रिकेट टीम के कप्तान ने दूसरी टीम के कप्तान से कहा, 'मैं मानता हूं कि तुम्हारे पास देशभक्त गेंदबाज हैं, देशभक्त बल्लेबाज हैं, देशभक्त मैनेजर और देशभक्त कोच हैं लेकिन फिर भी जीत हमारी ही टीम की होगी?'

दूसरा कप्तान, ''मैं समझा नहीं वह कैसे? 'पहला कप्तान, 'क्योंकि क्रिकेट मैच हमारे देश में हो रहा है और माना हुआ देशभक्त अम्पायर हमारे पास है.''

☺ ☺ ☺

क्रिकेट के सीजन में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति से पूछा, 'क्यों भाई साहब आपका क्या ख्याल है? क्या भारत जीत जाएगा?'

पता नहीं भाई साहब जवाब मिला, 'मैं तो लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना ही पसंद करता हूं.'

सीएनजी का बढ़ता दाम पड़ेगा पर्यावरण को महंगा

लेखक - निशान्त

लीथियम बैट्री की उपयोगिता का जिस प्रकार से प्रचार हो रहा है उसके चलते कोई भी ठीक-ठाक कंपनी का एलेक्ट्रिक स्कूटर एक लाख से कम का नहीं मिल रहा। सस्ती और रीसायकिल हो जाने वाली लेड एसिड बैट्री के साथ यह गाड़ियाँ कम दाम में मिल सकती हैं, लेकिन फिलहाल बयार विदेशी लिथियम की दिशा में बह रही है। बात एलेक्ट्रिक कार की करें तो कोई भी एंट्री लेवेल की इलैक्ट्रिक कार सड़क पर आते-आते 9 लाख से कम की नहीं पड़ती।

देश की अर्थव्यवस्था के विकास को नापने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है देश के ट्रांसपोर्ट सेक्टर का आकार और प्रकार। ऐसा इसलिए क्योंकि एक अच्छी परिवहन प्रणाली न सिर्फ किसी उत्पाद के लिए बाजार का बेहतरीन विस्तार कर सकती है, वह कच्चे माल, ईंधन, उपकरण आदि को उत्पादन के स्थानों तक ले जाने को भी आसान बना सकती है। हमारे देश में फिलहाल परिवहन क्षेत्र में विलक्षण प्रगति देखी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि भारत के परिवहन क्षेत्र में सालाना 5.9 प्रतिशत की बढ़त दिखने की उम्मीद है। ऐसा होने से यह क्षेत्र भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र का सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र बन जाएगा।

परिवहन और प्रदूषण

हालांकि देश की परिवहन प्रणाली तेज़ गति से विकास कर रही है, मगर उसी अनुपात में परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में भी बढ़त हो रही है। ध्यान रहे कि भारत में होने वाले कुल कार्बन उत्सर्जन में परिवहन या ट्रांसपोर्ट सेक्टर का योगदान लगभग 14 प्रतिशत है। और इसमें से 90 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले सड़क परिवहन से होता है। बात सड़क परिवहन की आती है तो याद आता है पेट्रोल और डीज़ल। फिर याद आती है सीएनजी (कम्प्रेस्ड नैचुरल गैस), और थोड़ी बहुत याद आती है एलेक्ट्रिक वाहनों की। पेट्रोल और डीज़ल के नाम से याद आता काला प्रदूषणकारी धुआँ और एलेक्ट्रिक वाहनों के नाम से बंधती है कुछ उम्मीद मगर इन गाड़ियों के दाम याद आते ही वो उम्मीद फिलहाल टूट ही रही है। लीथियम बैट्री की उपयोगिता का जिस प्रकार से प्रचार हो रहा है उसके चलते कोई भी ठीक-ठाक कंपनी का एलेक्ट्रिक स्कूटर एक लाख से कम का नहीं मिल रहा। सस्ती और रीसायकिल हो जाने वाली लेड एसिड बैट्री के साथ यह गाड़ियाँ कम दाम में मिल सकती हैं, लेकिन फिलहाल बयार विदेशी लिथियम की दिशा में बह रही है। बात एलेक्ट्रिक कार की करें तो कोई भी एंट्री लेवेल की इलैक्ट्रिक कार सड़क पर आते-आते 9 लाख से कम की नहीं पड़ती। वहीं पेट्रोल की एंट्री लेवेल की कार 3.5 लाख के आस पास मिल जाती है।

बात सीएनजी की

आप सोच रहे होंगे अब तक सीएनजी का ज़िक्र क्यों नहीं हुआ। तो चलिये कर लेते हैं उसका भी ज़िक्र। सीएनजी का नाम सुनते ही याद आता है पब्लिक ट्रांसपोर्ट, कम दाम, ज़्यादा मायलेज, और पर्यावरण के लिए पेट्रोल/डीज़ल से बेहतर विकल्प। यहाँ यह जानना ज़रूरी है कि प्राकृतिक गैस अब वैश्विक बिजली उत्पादन का लगभग एक चौथाई हिस्सा है और मध्यम अवधि में इसकी मदद से नेट ज़ीरो ऊर्जा प्रणालियों का विकास किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसकी मदद से हम पेट्रोल और डीज़ल के बाद धीरे-धीरे एलेक्ट्रिक या रिन्यूबल ऊर्जा पर निर्भर परिवहन प्रणाली की ओर बढ़ सकते हैं। दरअसल सीएनजी या कम्प्रेस्ड प्रकृतिक गैस भी जीवाश्म ईंधन का एक प्रकार है, लेकिन इससे कार्बन का उत्सर्जन पेट्रोल या डीज़ल के मुक़ाबले 90 प्रतिशत तक कम होता है। इतना ही नहीं, इसका मायलेज भी अपेक्षाकृत अधिक होता है। जब तक एलेक्ट्रिक वहान आम आदमी के बजट में नहीं आते, तब तक सीएनजी की गाड़ियाँ एक सस्ता और बेहतर विकल्प हो सकता है पेट्रोल और डीज़ल की गाड़ियों का। सीएनजी की कार की शुरुआती कीमत भी महज़ 5 लाख है। मतलब पेट्रोल और एलेक्ट्रिक के कहीं बीच में है इसका दाम। मगर अब आती है मुद्दे की बात। बीते कुछ सालों में सीएनजी के दाम इस कदर बढ़ें हैं कि आज यह पेट्रोल और डीज़ल के आस पास पहुँच गए हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश कि राजधानी लखनऊ में जहां फिलहाल पेट्रोल 95 का है, डीज़ल 90 का है, वहीं सीएनजी 95 की है। कुछ साल पहले तक, एक लीटर पेट्रोल और एक किलो सीएनजी के दाम में लगभग 30-35 रुपये का अंतर था। और आज हालत यह है कि क्योंकि कम प्रदूषण करने वाली सीएनजी का दाम पेट्रोल के बराबर हो चुका है, इसलिए एक आम उपभोक्ता के पास कोई व्यावहारिक वजह नहीं कि वो 3.5 लाख की पेट्रोल कार की जगह 5 लाख की सीएनजी कार ले। सीमित बजट के साथ बेहतर पर्यावरण और कम प्रदूषण की चाहत वाले उपभोक्ता के पास आज कोई खास वजह नहीं बची है कि वो अपनी गाढ़ी कमाई पेट्रोल के दाम पर मिलने वाली सीएनजी के लिए कार खरीदने में लगाए। और प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमत में तेज वृद्धि के चलते भारतीय वाहन निर्माताओं को सीएनजी से चलने वाले वाहनों के लिए अपने उत्पादन लक्ष्य में कटौती करने के लिए मजबूर कर दिया है। कार निर्माताओं को लगता है कि सीएनजी के दाम अब बढ़ेंगे और उसके चलते लोग सीएनजी कारें कम खरीदेंगे और इन कारों का अधिक उत्पाद प्रासंगिक नहीं रहेगा। जहां इस वित्तीय वर्ष कि शुरुआत में वाहन निर्माताओं का लक्ष्य 7,00,000-7,50,000 यूनिट सीएनजी कारों का उत्पादन करना था, वहीं उस लक्ष्य में अब 25-30 प्रतिशत कि कमी आ चुकी है और अब इस वित्तीय वर्ष का लक्ष्य घटकर 5,00,000-5,50,000 यूनिट हो गया है।

विचार विशेषज्ञों के

चलिये जानते हैं इस पर विशेषज्ञों की क्या राय है। अर्चित फुरसूले क्लाइमेट ट्रेंड्स नाम की संस्था में एक स्वच्छ ऊर्जा परिवहन विशेषज्ञ के तौर पर काम करते हैं। इस संदर्भ में उनका मानना है कि, प्रदूषण करने वाले पेट्रोल/डीज़ल और लगभग शून्य उत्सर्जन करने वाले एलेक्ट्रिक वाहन के बीच कि खाई को पाटने के लिए बेहद कम कार्बन उत्सर्जन करने वाली सीएनजी भारत में बहुत पहले ही मुख्यधारा में आ जानी चाहिए थी। मगर ऐसा सही मायनों में नहीं हो सका है। फिलहाल जिस रफ्तार से सीएनजी के दाम बढ़े रहे हैं और जहां तक पहुँच चुके हैं, उन्हें देख लगता नहीं कि यह दाम वापस फिर कभी उस स्तर तक आ पाएंगे जिनके लिए सीएनजी को परंपरागत रूप से जाना जाता था। ऐसे में एलेक्ट्रिक वाहन ही सबसे बेहतर विकल्प दिखते हैं। हाँ, वो फिलहाल महंगे ज़रूर हैं, लेकिन उम्मीद है कि सरकार कि नीतियों के चलते वो आम आदमी कि पहुँच में आने लगें। लेकिन तब तक, पर्यावरण की चिंता करने वाले आम आदमी के पास महंगी हो रही सीएनजी से बेहतर कोई विकल्प नहीं।

इस संदर्भ में वैश्विक परिस्थितियों को सीएनजी के बढ़े दामों के लिए दोषी ठहराते हुए फिनलैंड में साल 1969 में स्थापित एक सार्वजनिक शोध विश्वविद्यालय, लपीनरान्ता-लाहती युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नालजी (LUT) के स्कूल ऑफ एनर्जी सिस्टम्स में सौर अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर मनीष राम कहते हैं, हाँ, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मगर जिस तरह से वैश्विक बाज़ार में प्राकृतिक गैस की कीमतों में उछाल देखने को मिल रही है, भारत में ऐसा कुछ होना अपेक्षित है। मगर बड़ी बात यह है कि बाज़ार की मौजूदा रुकावटों देखते हुए सीएनजी की कीमतों में गिरावट की उम्मीद कम ही है। इसलिए एलेक्ट्रिक वाहन ही बेहतर विकल्प हैं।

आगे, अपनी बात समझाते हुए मनीष कहते हैं, भारत आयात पर निर्भर हैं और हमारे जैसे देश के लिए ऐसे में सीएनजी पर निर्भर रहना एक सुरक्षित दीर्घकालिक रणनीति नहीं हो सकती। आपकी कार में भरने वाली सीएनजी की कीमत वैश्विक बाजार तय कर रहे हैं और अर्थशास्त्र की नज़र से यह ठीक व्यवस्था नहीं।

अंततः बैट्री वाहनों को विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए मनीष कहते हैं, सभी कुछ देखते हुए भारत के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और उनकी सस्ती दर पर उपलब्धता के लिए काम करना एक बेहतर रणनीति होगी। ऐसा करने से न सिर्फ जलवायु कार्यवाई को बल मिलेगा, बल्कि देश में तमाम नौकरियाँ भी पैदा होंगी।

बात सरकार की

विशेषज्ञों ने तो अपना पक्ष रख लिया। मगर अब सरकार के आगे खड़ी चुनौतियों को भी समझना ज़रूरी है। चालू वित्त वर्ष के लिए पहले से ही भारत में मुद्रास्फीति 6.7 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में ही 7 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर आ चुकी है। इस बीच महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रिज़र्व बैंक लगातार दरों में बढ़ोतरी करता रहा है। बात सीएनजी की अब करें तो केंद्र सरकार ने पहले ही एक पैनल का गठन किया है जो एक नए मूल्य निर्धारण व्यवस्था पर विचार कर रहा है जो तेल मंत्रालय के आदेश के अनुसार ÷बाजार-उन्मुख, पारदर्शी और विश्वसनीय÷ है। फिलहाल भारत में प्रकृतिक गैस की कीमतें रूस और अमेरिका के बाज़ार भावों से तय होते हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते दाम फिलहाल उच्चतम स्तर पर हैं। इधर भारत में, क्योंकि सरकार सीएनजी को एक स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन मानती है, इसलिए सरकार देश में ऊर्जा विकल्पों में इसकी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखती है। भविष्य की %गैस-आधारित अर्थव्यवस्था% के लिए, केंद्र का लक्ष्य प्राथमिक ऊर्जा विकल्पों में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.7 प्रतिशत से 2030 तक दोगुना करके 15 प्रतिशत करना है। सरकार द्वारा बनाए गए इस पैनल को वैसे तो सितंबर तक अपनी सिफारिशें देनी थी, लेकिन इसमें अधिक समय लगने की संभावना है।

गौर करने की बात

गैस पर निर्भर क्षेत्रों, खास तौर से उर्वरक, को परंपरागत रूप से सरकार से भारी सब्सिडी मिलती रही है जिससे बाजार में विकृति पैदा हो रही है। अगर हम पर्यावरणीय लाभों और कम लागत के कारण गैस का रुख करना चाहते हैं तो यह सब्सिडी का चलन सही संकेत नहीं। तमाम विश्लेषक बताते हैं कि मूल्य नियंत्रण के माहौल में व्यापार और राजनीतिक हित टकराते हैं जिसके चलते निर्माता न्यूनतम संभव कीमत पर उत्पादन बढ़ाने के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में विफल हो जाते हैं। यहाँ यह याद रखना चाहिए कि ईंधन सब्सिडी उन प्रमुख नीतिगत पहलों में से एक है जिसके चलते मौजूदा सरकार को दूसरा मौका मिला। संदर्भ के लिए उज्ज्वला योजना याद कर लीजिएगा।

जाति व्यवस्था: भागवत के आह्वान के मायने

(लेखक/अनिल बिहारी श्रीवास्तव)

जाति प्रथा को उखाड़ फेंकने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के आह्वान का कोई चमत्कारिक प्रभाव भले ही तत्काल दिखाई न दे लेकिन कालान्तर में इसके सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है। नागपुर में एक कार्यक्रम संघ प्रमुख ने साफ शब्दों में कहा कि 'हिंदू समाज में जाति व्यवस्था एक पुरानी सोच थी। अब इसे भूल जाना चाहिए। पहले जो गलतियां हो चुकी हैं उन पर ब्राह्मणों को प्रायश्चित कर लेना चाहिए। पूर्वजों की गलतियों को मान लेने में कोई हर्ज नहीं है। भागवत ने कहा, शास्त्रों में ब्राह्मण कर्म से हुआ करते थे, जन्म से नहीं। बाद में ब्राह्मणों को जन्म से माना जाने लगा। शास्त्रों ने भी इस बुराई को स्वीकार कर लिया।' आरएसएस के एक पदाधिकारी के अनुसार विजयादशमी उत्सव के संबोधन के दौरान भागवत ने कहा था कि 'एक मंदिर, एक पानी और एक श्मशान सभी हिंदुओं के लिए जब तक खुले नहीं होते, तब तक समता की बात एक सपना ही होगी।' भागवत के आह्वान से साफ है कि आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी वर्ष-2025 में सामाजिक समरसता की दिशा में पहले से चल रहे एक मंदिर, एक कुआं(पानी),एक श्मशान अभियान को और गति देकर जातीय भेदभाव उन्मूलन अभियान को मजबूती दी जाएगी। पिछले कुछ दिनों में भागवत ने अनेक अवसरों पर जाति प्रथा के खात्मे का आह्वान किया है। इससे उम्मीद जागी है। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने संघ प्रमुख के आह्वान का स्वागत किया है। स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने जाति प्रथा से जुड़ा बड़ा सच रखा। उनके अनुसार सनातन परम्परा में जाति व्यवस्था नहीं, वर्ण व्यवस्था थी। वह भी जन्म के आधार पर नहीं, गुरुकुल में शिष्यों के आचरण के आधार पर तय होती थी। समय के साथ इसमें विषमता आती गईं। आरक्षण से इसे बढ़ावा दिया गया। अब जाति का प्रमाण पत्र गुरुकुल नहीं, प्रशासन बांट रहा है। भागवत के आह्वान का स्वागत राकांपा नेता शरद पवार ने भी किया है।

लगभग तीन हजार सालों से जड़ें जमाये बैठी जाति प्रथा पर विचार करने से पहले वर्ण और जाति को समझना होगा। वर्ण चार माने गए हैं-ब्राह्मण, क्षत्री, वैश्य और शूद्र। ब्राह्मण में पुजारी और शिक्षक वर्ग को रखा जाता था। क्षत्री में राजा और योद्धा होते थे। वैश्य में व्यापारी जाति और किसान तथा शूद्र में श्रमिक होते थे। इनमें सभी का अपना महत्व था, ना कोई किसी से कम और ना कोई किसी से ज्यादा। जाति एक बड़ा जटिल सामाजिक समूह है। ऐसा माना जाता है कि भारत में तीन हजार जातियां और पच्चीस हजार उपजातियां है। जातियों की अवधारणा को लेकर विद्वानों के विचार भिन्न-भिन्न रहे हैं। जातियों पर स्पष्ट बात कभी सामने नहीं आई। मौटे तौर पर माना गया कि काम की जिम्मेदारियों के आधार पर इन्हें तय कर लिया गया। एक बुराई यह आ गई कि एक वर्ग स्वयं को अन्य से बेहतर मान बैठा। उसे दूसरों से पवित्र होने का भ्रम हो गया। यहीं से भेदभाव और ऊंच-नीच का खेल शुरू हुआ। योग गुरू और आध्यात्मिक आख्याता सद्गुरू जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'श्रम के विभाजन को ध्यान में रख कर जाति प्रणाली शुरू हुई थी। समय के साथ श्रम-विभाजन लोगों से भेदभाव का कारण बन गया। लोग एक-दूसरे के विरूद्ध काम करने लगे। श्रम विभाजन में आई बुराई पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती चली गई। उदाहरण के लिए, एक सुनार सोचने लगा कि वह चर्मकार से श्रेष्ठ है।' सद्गुरू सवालिया अंदाज में कहते हैं, 'चर्मकार से सुनार कैसे श्रेष्ठ हो सकता है? जबकि चर्मकार समाज के लिए अधिक उपयोगी काम करता है। श्रेष्ठता का भाव बढ़ता चला गया। इसका खराब प्रभाव उसी स्तर पर जा पहुंचा जैसा रंगभेद के मामलों में देखा जाता है। आज कौशल हस्तांतरित नहीं हो पा रहा है। कौशल का महत्व बताएं और इसे सभी को दें तो जाति प्रणाली की प्राकृतिक मौत होने में कितनी देर लगेगी?'

जाति प्रथा की जड़ें जमीं तो छुआछूत की बीमारी लग गई। इन दोनों से हिंदू समाज को बहुत नुकसान हुआ है। महात्मा गांधी और बाबा साहेब अंबेडकर ने छुआछूत के विरूद्ध जागरूकता लाने के लिए सतत प्रयास किए। इसके सुपरिणाम सामने आए। छुआछूत विरोधी कानूनी प्रावधानों का असर भी दिखाई दिया। आज महानगरों के अलावा शहरी और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में छुआछूत के कितने मामले सुनाई देते हैं? ग्रामीण इलाकों में कभी-कभार ही इक्का-दुक्का मामला प्रकाश आता है। जाहिर है कि लोगों की बदल रही सोच और कानूनी सख्ती का असर दिखा है। बड़े-बड़े होटलों से लेकर चाय-नाश्ते की टपरियों में जाने वाले कितने लोग सामने वाले की जाति पूछते हैं? बदलते हालात में संघ के एक मंदिर, एक पानी और एक श्मशान अभियान से बचे-खुचे छुआछूत के वायरस कितने दिन टिक पाएंगे। असल चुनौती हिंदू समाज से जाति प्रथा को खत्म करने की है। अनेक विद्वान मानते हैं कि ब्रिटिशराज में जाति प्रथा ने अधिक जोर पकड़ा था। यह अग्रेजों की फूट डालो-राज करो रणनीति का हिस्सा था। उस दौरान छावनी क्षेत्रों की सिविल बस्तियों में जाति के नाम से मोहल्ले बसाये जाते थे। राहत की बात यह रही कि आजादी के बाद खासकर हाल के दशकों में शिक्षा के प्रसार और तेजी से हुए शहरीकरण से जातिवादी भावना में कमी दिखाई देने लगी। अनेक शहरों में भिन्न-भिन्न जातियों के लोग अगल-बगल में रहते हैं। अंतरजातीय विवाह होने लगे हैं जो किसी जमाने में कभी-कभार ही देखे जाते थे। जाति का आग्रह टूटने लगा है। कुछ दक्षिणी राज्यों में लोग सिर्फ एक नाम रखने लगे है। बिहार में बड़ी संख्या में लोग ऐसे नाम रखने लगे हैं जिनसे उनकी जाति का अनुमान आसान नहीं होता। फिर भी एक कटु सत्य यह है कि करोड़ों लोग जाति का मोह त्याग नहीं पा रहे। अधिकांश राज्यों, विशेषकर हिंदी भाषी राज्यों में जाति-जुटता को दबाव बनाने के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाने लगा है। सत्ता और सुविधाओं लेने के लिए जाति का इस्तेमाल होता है। समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने वाले ज्यादातर राजनेता अप्रत्यक्ष रूप से जातिवाद की राजनीति ही करते हैं। उनकी जातिवादी राजनीति का घिनौना रूप अक्सर सामने आ जाता है। इससे जाति प्रथा से उत्पन्न खाई को पाटने की कोशिश को झटका लगता है। जातीय समाज/संगठनों की आड़ में लोगों को बरगलाया जाता है। ऐसे नजारे प्राय-जातीय संगठनों के आयोजनों में दिखाई दे जाते हैं।

(चिंतन-मनन)

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्टियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्टियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं 'राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है।' नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य 'राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है।' इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नज़र फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपूंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान ||| द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लियाा। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

कारोबार में सेंसेक्स 382 अंक उछला, निफ्टी में भी तेजी

(एजेंसी)

वैश्विक बाजारों के मजबूत संकेतों से घरेलू शेयर बाजारों के मानक सूचकांकों में बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख देखा गया. बीएसई का तीस शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 382.43 अंक की मजबूती के साथ शुरुआती कारोबार में ही 59,343.03 अंक पर पहुंच गया. इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 98.45 अंक की बढ़त के साथ 17,585.40 अंक पर पहुंच गया. यह लगातार चौथा कारोबारी दिवस है जब घरेलू बाजारों में तेजी का रुख देखा गया. पिछले कारोबारी दिवस पर भी दोनों प्रमुख सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई थी. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट शुरुआती कारोबार में तगड़ी बढ़त में रहीं. वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजी, एसबीआई, इन्फोसिस, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयर शुरुआती नुकसान में रहे. एशिया के अन्य बाजारों में सोल और टोक्यो के सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई और हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई. अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे. अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत बढ़कर 90.56 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया. इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से बिकवाली का सिलसिला जारी रखा है. उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने मंगलवार को 153.40 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी.

डॉलर के मुकाबले 82.95 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा रुपया

नई दिल्ली, रूपया बुधवार को अब तक के सबसे निचले स्तर पर चला गया। डॉलर के मुकाबले रूपया और कमजोर होकर 82.95 पर पहुंच गया। बढ़ती मुद्रास्फीति को रोकने के लिए दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी के बाद रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.95 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर सभी प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर और मजबूत हुआ जिसका असर रूपए पर भी पड़ा। खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण ब्रिटेन में मुद्रास्फीति पिछले महीने 40 साल के उच्च स्तर पर पहुंचने से डॉलर में तेजी आई है। ऐसी अटकलें हैं कि बैंक ऑफ इंग्लैंड कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए ब्याज दरों में जल्द से जल्द बढ़ोतरी कर सकता है। पिछले हफ्ते रुपये की गिरावट पर टिप्पणी करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन में कहा था कि वो इसे रुपये में गिरावट के बजाय अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के रूप में देखती हैं।

नेस्ले का मुनाफा 8.25 प्रतिशत बढ़कर 668 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । दैनिक उपभोग के सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 8.25 प्रतिशत बढ़कर 668.34 करोड़ रुपए हो गया। नेस्ले इंडिया ने बुधवार को बीती तिमाही के आंकड़ों की जानकारी बीएसई को देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका मुनाफा 617.37 करोड़ रुपए रहा था। जनवरी-दिसंबर के कारोबारी वर्ष का अनुसरण करने वाली इस कंपनी ने कहा कि सितंबर तिमाही में उसकी बिक्री 18.24 प्रतिशत बढ़कर 4,591 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 3,882.57 करोड़ रुपए थी। जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका कुल खर्च 20.55 प्रतिशत बढ़कर 3,715.40 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 3,081.99 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी की घरेलू बिक्री 4,361.15 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले के 3,687.37 करोड़ रुपए की तुलना में 18.27 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान इसका निर्यात 15.68 प्रतिशत बढ़कर 205.45 करोड़ रुपए हो गया जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 177.60 करोड़ रुपए रहा था।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री 66 फीसदी बढ़कर 3,511 करोड़

नई दिल्ली । रियल्टी फर्म प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़कर 3,511 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही में उसकी बिक्री का आंकड़ा 3,511 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,111.9 करोड़ रुपए था। इसके साथ ही उपभोक्ताओं से प्राप्त राजस्व 68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,602.9 करोड़ रुपए हो गया। आवासीय कर्ज की ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने के बावजूद घरों की मांग में तेजी बनी हुई है जिससे प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री को समर्थन मिला है। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में भी उसकी बिक्री का आंकड़ा 6,523.1 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,845.9 करोड़ रुपए था।

बीईएल ने हाइड्रोजन सेल बनाने अमेरिकी कंपनी से किया करार

बेंगलुरु। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने हाइड्रोजन ईंधन सेल के उत्पादन के लिए अमेरिकी कंपनी ट्राइटन इलेक्ट्रिक वेहिकल (टीईवी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। बीईएल ने कहा है कि इस समझौते के साथ प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण भी शामिल है। इस समझौते के तहत भारतीय बाजार में स्वच्छ ऊर्जा समाधानों की जरूरतों को पूरा करने के अलावा आपसी सहमति वाले विदेशी बाजारों में हाइड्रोजन सेल का निर्यात भी किया जाएगा। बयान के मुताबिक टीईवी ने भारत में अपना शोध एवं विकास केंद्र खोलने के अलावा विनिर्माण इकाई भी शुरू की है। इसने हाल ही में हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के खंड में कदम रखा है।

जेएमसी ने एनसीडी से 100 करोड़ जुटाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली । जेएमसी प्रोजेक्ट्स ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने निजी आवंटन के माध्यम से गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके 100 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। शेयर बाजारों को दी गई सूचना के मुताबिक कंपनी के निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति की बैठक में निजी नियोजन के माध्यम से 100 करोड़ रुपए के असुरक्षित, सूचीबद्ध, प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने को मंजूरी दी गई। इसके तहत 10 लाख रुपए के अंकित मूल्य वाले कुल 1,000 असुरक्षित, सूचीबद्ध, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी किए जाएंगे, जिन्हें सीरीज ए और सीरीज बी डिबेंचर में विभाजित किया जाएगा।

ओला का इलेक्ट्रिक स्कूटर मचा सकता है धमाल, शामिल हुआ ये नया फीचर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। वहीं इस दिवाली अगर आप अपने लिए नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लेकर आने वाला है। आपको बता दे ओला इलेक्ट्रिक 22 अक्टूबर को एस1 और एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए अपना नया अपडेट **MoveOS** 3 जारी करेगी। वहीं ओला इलेक्ट्रिक के अनुसार , यह नया अपडेट इसके स्कूटर के लिए काफी योग्य होगा। आपको बता दे मंगलवार को ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सोशल मीडिया चैनल पर एक टीजर पोस्ट किया है, जिसमें कंपनी ने ये सुझाव दिया है कि कि हिल होल्ड असिस्ट को अगले स्र्1द्वह्रस् 3 में शामिल किया जाएगा। जबकि ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर को थ्रॉटल इनपुट में कुछ वक्त ही लगता है। इसलिए यह ऊपर की ओर चलते वक्त पीछे और नीचे की ओर खिसकना शुरु कर देती है। वाहन चालक इस समय ब्रेक लगाने में असमर्थ है क्योंकि स्कूटर ब्रेक के उपयोग के जवाब में स्पीड कम कर देता है। वहीं ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर यूजर्स को यहां हिल होल्ड असिस्ट का फायदा मिल सकता है। ये अनुमान लगाया जा रहा है कि ओला इलेक्ट्रिक के एस1 और एस1 प्रो स्कूटरों को **MoveOS** 3 को शामिल करने में काफी फायदा होगा। पिछले कई दिनों में से ओला इलेक्ट्रिक आगामी सुविधाओं को छेड़ रही है। जो **MoveOS3** में उपलब्ध होंगी। वाहन निर्माता कंपनी ने आने वाले दिनों में **MoveOS3** एक आगामी फीचर को दिया है।

देउचा-पचामी कोयला ब्लॉक के भाग्य पर निर्भर करेगा ताजपुर बंदरगाह

कोलकाता,

पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के ताजपुर में प्रस्तावित गहरे समुद्री बंदरगाह का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि राज्य में देउचा-पचामी-दीवानगंज-हरिसिंगा (डीपीडीएच) कोयला ब्लॉक में काम शुरू हो सकता है या नहीं, राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा।बीरभूम जिले में डीपीडीएच कोयला ब्लॉक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला ब्लॉक है जिसमें लगभग 1,198 मिलियन टन कोयला और 1,400 मिलियन टन बेसाल्ट है। 'अडानी समूह डीपीडीएच कोयला ब्लॉक में निवेश करने में रुचि रखता है। पश्चिम बंगाल सरकार ने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) लिमिटेड के पक्ष में ताजपुर बंदरगाह के लिए आशय पत्र (एलओआई) भी जारी किया है। अदानी समूह की कंपनी इस बंदरगाह के निर्माण के लिए कई हजार करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। इस तरह के निवेश का औचित्य तभी होगा जब कंपनी डीपीडीएच कोयला ब्लॉक का खनन शुरू कर सकती है। इस ब्लॉक से कोयले का निर्यात ताजपुर बंदरगाह के माध्यम से किया जा सकता है, 'अधिकारी ने कहा। इस सुनिश्चित कार्गो के बिना, पूर्व में किसी भी महत्वपूर्ण आयात या निर्यात वृद्धि की संभावना बहुत कम है जो बंदरगाह को व्यवहार्य बनाएगी। समस्या यह है कि डीपीडीएच कोयला ब्लॉक पहले ही परिवारों के प्रस्तावित विस्थापन को लेकर संकट में है, जिनमें से कई आदिवासी हैं। 'डीपीडीएच में कोयले को बेसाल्ट की परतों के बीच सैंडविच किया जाता है। कोयला और बेसाल्ट दोनों को निकालने के लिए विशेष उपकरण और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होगी। इसके लिए बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। ऐसा निवेश भूमि के बाद केवल एक कॉर्पोरेट घराने द्वारा किया जाएगा। साफ कर दिया गया है और परेशानी की कोई संभावना नहीं है।

'अडानी समूह केरल में अपने अनुभव से यह पहले से ही जानता है जहां उसने एक बंदरगाह में निवेश किया है। सरकार को वर्तमान में कोयला ब्लॉक के आसपास और आसपास रहने वाले परिवारों के पुनर्वास को सुनिश्चित करना होगा। उन्हें मुआवजे का भुगतान भी करना होगा। अनुमान है कि इस परियोजना के कारण लगभग 21,000 लोग (9,000 से अधिक आदिवासियों सहित) विस्थापित होंगे।केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों ने प्रत्येक परिवार को 10-13 लाख रुपये प्रति बीघा मुआवजे की पेशकश की है।इसके अलावा, प्रत्येक परिवार को 600 वर्ग फुट की आवासीय इकाई के साथ-साथ 5.5 लाख रुपये चल खर्च के रूप में आवंटित किया जाएगा।हालांकि, लोगों को स्थानांतरित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ आंदोलन शुरू हो चुके हैं। सीपीएम जैसे राजनीतिक दल भी वहां कोयला खनन के किसी भी प्रयास के खिलाफ मैदान में उतरे हैं।आदिवासियों को उनकी पुश्तैनी जमीन से दूसरी जगह ले जाने और उन संसाधनों का दोहन करने के सरकार के फैसले का भी कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है जो उनके हक में हैं।

क्या मजबूत डॉलर से दुनिया में मंदी लाएगा अमेरिका?

- अभी डॉलर में ही किया जाता है दुनियाभर में होने वाला 40 फीसदी व्यापारिक लेनदेन

नई दिल्ली ।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए का संकट भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। दुनियाभर के बाजारों में मंदी के बावजूद भारतीय बाजार किसी तरह अपने पैरों पर खड़ा होता नजर आ रहा है, लेकिन कमजोर करेंसी बाजारों को डरा रही है। अब सवाल है कि क्या अमेरिका जानबूझकर डॉलर को मजबूत कर रहा है या फिर अमेरिका को अपनी मंदी से ज्यादा डॉलर के कमजोर होने का डर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से तेल खरीदा, जिस पर अमेरिका की नजर टेढ़ी हो गई है। अमेरिका को तेल के बजाए इस बात की ज्यादा चिंता है कि भारत, चीन और बाकी विकासशील देश कहीं आपस में मिलकर अपनी-अपनी करेंसी में व्यापार करने लगे तो उसके लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसा हुआ तो डॉलर का अंतरराष्ट्रीय करेंसी के तौर पर बना रूतबा कम हो जाएगा। अमेरिका को डॉलर के अंतरराष्ट्रीय करेंसी होने से जबरदस्त फायदे होते हैं। केंद्र सरकार भी कई सालों से इस बात का सपना देख रही है कि कब वो अपने बड़े लेनदेन रुपए में करने लगेगी। इसके लिए मौजूदा मोदी सरकार ने अपनी पॉलिसी में भी बड़ा बदलाव किया है। आईएमएफ के आंकड़े देखें तो अभी दुनियाभर में होने वाला 40 फीसदी व्यापारिक लेनदेन डॉलर में ही किया जाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने विदेश व्यापार नीति में संशोधन किया था, जिसके बाद वित्तीय लेनदेन भारतीय रुपये में करने का रास्ता खुला है। आरबीआई ने भारतीय बैंकों को विदेश में ब्रांच और खाता खोलने की अनुमति दी, लेकिन फिलहाल इस योजना के धरातल पर और तेजी से काम करने में समय लग सकता है। देश स्विफ्ट ट्रांजेक्शन के तहत डॉलर के दबदबे को कम करने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन अभी तक कामयाब होते नहीं दिख रहे हैं। मजबूत होते डॉलर की वजह से भारत समेत दुनिया की इमरजिंग इकोनॉमी को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चीन भारत और रूस ने ज्यादा से ज्यादा लोकल करेंसी में ट्रांजेक्शन की इच्छा जताई है लेकिन अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए किसी भी कीमत पर डॉलर को कमजोर नहीं होने दे रहा है।

इस बात को इस प्रकार समझ सकते हैं कि अमेरिकी फेड ने ब्याज दरें बढ़ाई तो बाकी देशों को भी ब्याज दरों को बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अब पूरी दुनिया अमेरिका की इस डॉलर दादागिरी से मुक्त होने के लिए झटपटा रही है। दूसरी ओर फेड की आसमान छूती ब्याज दरों से अमेरिकी नागरिक और इकोनॉमी टूट रही है।

12 राज्यों के 249 जगहों पर स्टील साइलो बनाएगा एफसीआई

नई दिल्ली। खाद्यान्न के भंडारण की समस्या को हल करने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) 12 राज्यों में 249 जगहों पर 111.125 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) क्षमता के साथ आधुनिक स्टील साइलो बनाने की योजना बना रहा है। 9,236 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत स्थापित किए जाने वाले इन साइलो का निर्माण अगले तीन-चार सालों में तीन चरणों में किया जाएगा। सूत्रों ने ये जानकारी दी। पहले चरण में एफसीआई 80 जगहों पर 34.875 एलएमटी क्षमता के साइलो का निर्माण करेगा। इसमें से 14 स्थानों पर 10.125 एलएमटी और 66 जगहों पर 24.75 एलएमटी क्षमता का होगा। डीबीएफओओ मोड के तहत निविदा 31 अक्टूबर को खोली जाएगी जबकि डीबीएफओटी मोड के लिए निविदा 10 अगस्त को खोली गई थी। एक परियोजना पहले ही एक डेवलपर को दी जा चुकी है और अन्य परियोजनाओं के लिए प्रक्रिया चल रही है। बल्क हैंडलिंग सुविधाओं के साथ ये आधुनिक साइलो खाद्यान्नों के भंडारण का एक वैज्ञानिक तरीका होगा और उनके बेहतर संरक्षण को सुनिश्चित करेगा।

आगामी बजट में एक फिर उद्योग जगत को टैक्स में राहत दे सकती है सरकार

- सरकार ने उद्योगों और व्यापारिक संगठनों से बजट के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली ।

सरकार ने वित्तवर्ष 2023-24 के बजट के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और सभी हितधारकों से बजट को लेकर सुझाव मांगे जा रहे हैं। इस कड़ी में उद्योगों और व्यापारिक संगठनों से भी सुझाव मांगा है। वित्त मंत्रालय ने इस बार उद्योगों और व्यापारिक संगठनों से टैक्स को लेकर सुझाव मांगे हैं, जिसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे हैं कि आगामी बजट में एक फिर उद्योग जगत को टैक्स में राहत मिल सकती है।वित्त मंत्रालय ने कहा है कि उद्योगों और व्यापारिक संगठनों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष टैक्स पर अपने सुझाव 5 नवंबर तक देने होंगे। सुझाव के साथ इंडस्ट्री को अपनी मांग भी मंत्रालय के पास भेजनी होगी और इसमें से जो भी तर्कसंगत लगेगा उसे 1 फरवरी, 2023 को जारी होने वाले आम बजट में शामिल किया जा सकता है। टैक्स के मामले में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के साथ शुल्क और भाव को लेकर भी सुझाव मांगे गए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि अगले वित्तवर्ष 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट तैयार करने में इन सुझावों और प्रस्तावों से काफी मदद मिलेगी। साथ ही संगठनों और अलग-अलग उद्योगों के सहयोग से बजट को ज्यादा बेहतर बनाया जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने उद्योगों पर कम्प्लायंस का बोझ घटाने को लेकर भी सुझाव मांगे हैं। इससे टैक्स को लेकर निश्चित कानून बनाने और इससे जुड़े विवादों को कम करने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने बजट 2019 में कॉरपोरेट टैक्स में बड़ा बदलाव और सुधार किया था और कॉरपोरेट टैक्स को घटाकर 22 फीसदी कर दिया था। हालांकि, इसके लिए शर्त ये थी कि कंपनी को बाकी छूट और प्रोत्साहन छोड़ना होगा। इसी तरह, 1 अक्टूबर 2019 के बाद निवेश करने वाली कंपनियों पर 15 फीसदी टैक्स का नियम बना था। इसके लिए भी कंपनियों को सभी तरह के लाभ छोड़ने होंगे। हालांकि, कंपनियों को नए और पुराने इनकम टैक्स की दर चुनने का भी विकल्प मिला है।

पेरिस मोटर शो में पेश की गयीं कई प्रकार की अत्याधुनिक कारें।

बच्चों के स्कूल से निकलने पर माता-पिता को अलर्ट करेगा गूगल

सैन फ्रांसिस्को ।

गूगल ने फैमिली लिंक के लिए नए अपडेट की घोषणा की है, जो कई विकल्पों की पेशकश करते हैं और परिवारों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। नए अपडेट पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं और अगले कुछ हफ्तों में पूरे हो जाएंगे। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि 'लोकेशन टैब' के एक नए अपडेट में, माता-पिता अपने सभी बच्चों को उनके डिवाइस स्थान के साथ एक ही मैप पर देख सकते हैं। साथ ही, माता-पिता अपने बच्चे के स्कूल या सॉकर अभ्यास जैसे विशिष्ट गंतव्य पर पहुंचने या छोड़ने पर अलर्ट होने के लिए सूचनाएं चालू कर सकते हैं। इसके अलावा, 'हाइलाइट टैब' माता-पिता को अपने बच्चे के ऐप के उपयोग, स्क्रीन समय और हाल ही में इंस्टॉल किए गए ऐप का स्नैपशॉट दिखाकर अपने बच्चे के डिवाइस के उपयोग को ट्रैक करने की अनुमति देगा। कंपनी ने कहा, 'हम कॉमन सेंस मीडिया, कनेक्टसेफली और फैमिली ऑनलाइन सेफ्टी इंस्टीट्यूट जैसे विश्वसनीय भागीदारों से भी संसाधन जोड़ रहे हैं ताकि माता-पिता घर पर ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में बातचीत को नेविगेट कर सकें।' माता-पिता और बच्चों के लिए, फैमिली लिंक वेब पर भी उपलब्ध होगा। इससे माता-पिता ऑनलाइन फीचर्स का उपयोग तब भी कर सकेंगे, जब वे अपने फोन से दूर हों या उनके पास ऐप न हो। बच्चों के लिए, परिवार लिंक वेब अनुभव उनकी माता-पिता की नियंत्रण सेटिंग को बेहतर ढंग से समझने में उनकी सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, 'कंट्रोल टैब' माता-पिता को व्यक्तिगत उपकरणों या विशिष्ट ऐप्स के लिए स्क्रीन समय सीमा निर्धारित करने की क्षमता के साथ-साथ कंटेंट प्रतिबंध सेट करने की क्षमता वाले बच्चों की निगरानी करने में सक्षम बनाता है।

एनसीआर में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

- ब्रेंट क्रूड का भाव 1.09 डॉलर गिरकर 90.83 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान और गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच रहा है। देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर रहे हैं, लेकिन एनसीआर सहित लखनऊ, पटना जैसे शहरों में तेल के खुदरा दाम बदल गए हैं। गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में पेट्रोल 5 पैसा गिरकर 96.59 रुपए लीटर और डीजल 5 पैसे गिरकर 89.76 रुपए लीटर हो गया है। एनसीआर के अन्य शहरों फरीदाबाद में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 97.57 और डीजल 7 पैसे चढ़कर 90.42 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 41 पैसे बढ़कर 97.18 और डीजल 40 पैसे बढ़कर 90.05 रुपए लीटर हो गया। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे सस्ता होकर 96.57 और डीजल 5 पैसे सस्ता होकर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। पटना में पेट्रोल 30 पैसे बढ़कर 107.54 रुपए और डीजल 28 पैसे चढ़कर 94.32 रुपए लीटर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव 1.09 डॉलर गिरकर 90.83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 1.83 डॉलर नीचे आकर 83.89 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। फरीदाबाद में पेट्रोल 97.57 रुपए और डीजल 90.42 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बुमराह की जगह नहीं ले सकते शमी : रैना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें एक अनौखा क्रिकेटर करार दिया। बुमराह फिट नहीं होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह तेज गेंदबाजी मो शमी को शामिल किया गया है। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में तीन विकेट लेकर वाहवाही लूटी हैं पर इसके बाद भी रैना उन्हें बुमराह का उपयुक्त विकल्प नहीं मानते हैं। रैना ने कहा,'मैं शमी को एक परफेक्ट रिप्लेसमेंट नहीं कहूंगा, बुमराह एक अनोखे खिलाड़ी हैं। कोई भी बुमराह या ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह नहीं ले सकता। इसका कारण है कि बुमराह और जडेजा ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने लगातार भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।' रैना ने हालांकि यह भी कहा,'बुमराह के विकल्प के तौर भारत के पास मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद शमी जैसे विकल्प थे पर भारतीय टीम ने शमी के तौर पर सबसे अच्छा विकल्प चुना है। पिछले कुछ समय में मोहम्मद शमी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिलहाल, वह शानदार फॉर्म से गुजर रहे हैं। बीसीसीआई ने मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया भेजकर सही काम किया है।

PKL 9 : असलम बने हीरो, अंतिम रेड पर अंक लेकर पल्टन को टाइटंस पर दिलाई 1 अंक की जीत

बेंगलुरू।

असलम इनामदार पूरे मैच में सिर्फ पांच अंक जुटा पाए लेकिन उनका एक अंक पुनेरी पल्टन के लिए विजयश्री लेकर आया। असलम ने मैच की अंतिम और वह भी डू ओर डाई रेड पर टच प्वाइंट क साथ श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 27वें मैच में अपनी टीम को तेलुगू टाइटंस के खिलाफ 26-25 के अंतर से जीत दिला दी। इस मैच में लगातार पीछे चल रही टाइटंस ने 34वें मिनट में विजय के चार अंकों वाली रेड के साथ पहली बार टाइटंस को लीड दिलाई थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक के लिए संघर्ष चला। मैच खत्म होने से 1 सेकेंड पहले तक स्कोर 25-25 था। पल्टन की एक रेड बाकी थी और वह भी डू ओर डा[...] डिफेंस में टाइटंस के [...] असलम की सांस टूटने का [...] लेकिन उससे पहले ही डिफे[...] दी। और इस तरह टाइटंस [...] चौथी हार का सामना क[...] दूसरी जीत के साथ पल्टन [...] चौथे स्थान पर पहुंच गए [...] पल्टन ने 11-9 की लीड [...] के स्कोर पर मोहित ने डू [...] अंक लिए और पल्टन को [...] दिया था। एक समय स्कोर [...] टाइटंस को सुपर टैकल की [...] पल्टन ने 9-6 क लीड ले [...] लगातार दो अंक लेते हुए [...] दिया। हाफ टाइम से ठीक [...] टच प्वाइंट के साथ खाता [...] के बाद टाइटंस ने सुपर टै[...]

बंधन बैंक ने सौरव गांगुली को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया

समावेशी बैंकिंग के साथ सार्वभौमिक बैंक बंधन बैंक ने आज घोषणा की कि उसने सौरव गांगुली को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। प्यार से दादा और भारतीय क्रिकेट का महाराजा कहा जाता है, सौरव गांगुली बैंक के ब्रांड संदेश को बढ़ाने और बैंक के उत्पादों और सेवाओं का समर्थन करने में मदद करेगा।

दोनों ब्रांड समान मूल्य साझा करते हैं। गांगुली ने 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट टीम के परिवर्तन का नेतृत्व किया, जैसे बंधन ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में गैर-विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों के परिवर्तन का नेतृत्व किया। दोनों प्रतिष्ठित ब्रांड हैं जिनकी उत्पत्ति पूर्वी भारत में हुई है। फिर भी, इन वर्षों में, उन्होंने खुद को बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से स्थापित किया है और अब वे क्षेत्रीय प्रतीक नहीं हैं। जबकि गांगुली एक वैश्विक आइकन है, पहले एक खिलाड़ी के रूप में, फिर एक कप्तान के रूप में, और अब एक प्रशासक के रूप में, अपनी क्रिकेट उपलब्धियों के लिए धन्यवाद, बंधन बैंक एक अखिल भारतीय बैंक है जो अपने 5,644 बैंकिंग के माध्यम से, बड़े या छोटे सभी को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। आउटलेट देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 34 में फैले हुए हैं।

इस प्रगति पर टिप्पणी करते हुए, बंधन बैंक के एमडी और सीईओ, चंद्र शेखर घोष ने कहा, "सौरव अपनी दूरदर्शिता, समर्पण और खेल के प्रति प्रतिबद्धता के कारण भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहा है। सौरव और बंधन बैंक के मूल्यों में बहुत समानता है। वह एक वैश्विक आइकन भी हैं और सभी तिमाहियों से सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी हमें अधिक ध्यान आकर्षित करने में मदद करेगी, जिससे ब्रांड के बारे में अधिक जागरूकता आएगी, और इस तरह हमें अपनी विकास कहानी में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। यह गठबंधन सभी उपभोक्ताओं के साथ मजबूती से जुड़ने और समावेशी बैंकिंग के हमारे चल रहे मिशन को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है।

एसोसिएशन के बारे में बोलते हुए, सौरव गांगुली ने कहा, "मैंने ब्रांड बंधन का उदय करीब से देखा है, और मुझे इस बात पर गर्व है कि इसने इतने कम समय में प्रगति की है। मैं बैंक के बारे में सबसे अधिक प्रशंसा करता हूं कि यह एक उद्देश्य के नेतृत्व वाला ब्रांड है और जमीनी स्तर पर स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मेरे साथ अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होता है क्योंकि एक कप्तान के रूप में और अब एक

प्रशासक के रूप में मेरा हमेशा से लक्ष्य रहा है। मुझे पूरे देश में बंधन बैंक को और अधिक मान्यता दिलाने की जिम्मेदारी मिलने का सौभाग्य मिला है।"

अपनी पहले की घोषणाओं में, बंधन बैंक ने उल्लेख किया था कि अगले कुछ वर्षों में प्रमुख फोकस क्षेत्रों में परिसंपत्ति पोर्टफोलियो का विविधीकरण होगा; लोगों की क्षमताओं को मजबूत करना, जिसमें नई प्रतिभाओं को काम पर रखना शामिल है; इन-हाउस टेक्नोलॉजी, एनालिटिक्स और डिजिटल क्षमताओं का विकास; और गहन ग्राहक जुड़ाव विकसित करके कासा (चालू खाता बचत खाता) का समेकन। बैंक की चालू वित्त वर्ष में 551 शाखाएं खोलने की भी योजना है।

कुवैत को हराने के बावजूद

एएफसी अंडर 20 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका भारत

कुवैत सिटी।

[...] टायसन सिंह और गुरकीरत सिंह ने [...] जिसकी मदद [...] ने आखिरी [...] 2 . 1 से हरा [...] वाले एएफसी [...] क्वालीफाई नहीं [...] कुवैत से पहले [...] शीर्ष पर और [...] ग्रुप की शीर्ष [...] ता टीमों को [...] बेकिस्तान को बतौर [...] टूर्नामेंट एक से 18 [...] गा। भारत को ईराक [...] 4 . 1 से मात दी थी [...] टायसन सिंह और [...] सालेह अलमेहताब ने [...] भारत ने आक्रामक [...] में कुवैत के गोल पर [...] का शॉट हालांकि क्रासबार से टकरा गया। टायसन ने आठवें मिनट में भारत को बढत दिलाई। कुवैत ने जल्दी ही जवाबी हमला बोला लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने उसे बांधे रखा। ब्रेक तक भारत के पास एक गोल की बढत थी। एक घंटा बीत जाने के बाद बिपिन ने गुरकीरत को शानदार क्रॉस सौंपा लेकिन उनका हेडर रोक लिया गया। हूटर में 20 मिनट बाकी रहते कुवैत के कप्तान अलमेहताब ने बराबरी का गोल किया। कुवैत की खुशी हालांकि तीन मिनटतक ही कायम रही और गुरकीरत ने गोल करके भारत को जीत दिला दी।

साजन भानवाला ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक पदक

पोंटेवेदरा (स्पेन) । भारत के साजन भानवाला ने यहां अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन का ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत लिया है। साजन ने भारत को ग्रीको रोमन वर्ग में पहला पदक दिलाने के लिए मंगलवार को 77 किग्रा वर्ग के रोमांचक मुकाबले में यूक्रेन के दिमित्रो वासेत्स्की को हराया। भारतीय पहलवान दूसरे दौर में 4-10 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने यहां से शानदार वापसी की और अंतिम 30 सेकंड में छह अंक हासिल करके अपने प्रतिद्वंद्वी को तकनीकी आधार पर 10-10 से हरा दिया। साजन को प्री-क्वार्टर फाइनल में मोर्दोविया के पहलवान अलेक्जेंड्रिन गुटू के हाथों 8-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने कांस्य पदक मुकाबल में प्रवेश करने के लिये रेपेचेज दौर में कजाकिस्तान के रसूल झुनिस को 9-6 से हराया। गुटू के फाइनल में पहुंचने से साजन को रेपेचेज नियम के तहत टूर्नामेंट में जिंदा रहने का मौका मिल गया। उल्लेखनीय है कि एक पहलवान रेपेचेज राउंड में प्रवेश कर सकता है यदि उनको हराने वाला पहलवान फाइनल में पहुंच जाए। इसके अलावा 72 किग्रा वर्ग में विकास सेमीफाइनल में क्रोएशिया के पावेल पुक्लावेक से हार गए।

पर दूसरा और अंतिम क्रिकेट अभ्यास मैच लगातार हो रही बारिश के कारण एक भी गेंद डाले बिना रद्द हो गया। भारत और न्यूजीलैंड दोनों की टीमें मैदान पर उतर भी नहीं सकी थीं क्योंकि इसी जगह पर दिन के पहले अभ्यास मैच के दौरान ही बारिश आ गई थी जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की टीम 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ही ओवर खेल पाई थी। इससे पहले भारत ने सोमवार को यहां पहले अभ्यास मैच में मेजबान आस्ट्रेलिया को छह रन से हराया मैदान पर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने केएल राहुल (57 रन) और सूर्यकुमार यादव (50 रन) के अर्धशतक की मदद से सात विकेट पर 186 रन का स्कोर बनाया था और आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच के 54 गेंद में 76 रन बनाकर फॉर्म में वापसी के बावजूद इस लक्ष्य का बचाव किया था। चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह टीम में शामिल किये गये मोहम्मद शमी (चार रन देकर तीन विकेट) ने अंतिम ओवर में गेंद से शानदार प्रदर्शन किया जिसमें चार खिलाड़ी आउट हुए थे और इस गेंदबाज ने तीन विकेट अपने नाम किए थे।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर को गोल्फ खेलना पड़ा महंगा, खून निकला तो हुआ अस्पताल में भर्ती

सिडनी । आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 का रोमांच जारी है, लेकिन अभी शुरूआती दौर में ही खिलाड़ियों के चोटिल होने की खबरें सामने आना शुरू हो चुकी हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टोपले घुटना मुड़ने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। जहां सभी टीमों के मैनेजमेंट को अपने-अपने खिलाड़ियों को चोट से बचाने की कोशिश की जा रही है तो वहीं वहीं अब खबर आई है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिश को गोल्फ खेलना महंगा पड़ गया। दरअसल, इंग्लिश को गोल्फ खेलने के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण यहां स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया टीम के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा कि एक गोल्फ क्लब टूटने से इंग्लिश का हाथ कट गया, जिससे उनका खूब निकलने लगा। फिलहाल अस्पताल में उनकी चोट की जांच की जा रही है। इंग्लिश हालांकि विश्व कप टीम में बतौर विकेटकीपर ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद नहीं हैं। उनके प्लेइंग इलेवन में आने की संभावना तभी है जबकि विकेटकीपर मैथ्यू वेड चोटिल हो जाएं या किसी खिलाड़ी के कंकशन विकल्प की जरूरत हो। इससे पहले इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का टखना भी गोल्फ खेलते हुए फ्रैक्चर हुआ था जिसके कारण वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे के कप्तान को आया अस्थमा का अटैक, वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से बाहर

होबार्ट : जिम्बाब्वे के कप्तान क्रेग एर्विन आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के पहले दौर में बुधवार को होने वाले ग्रुप बी मैच से उस समय बाहर हो गए जब उन्हें अस्थमा का अटैक आया। हालांकि यह एक हल्का अटैक था जिस कारण उन्हें आराम की सलाह दी गई है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस बारे में जानकारी दी है। टीम के डॉक्टर सोलोमन मैडजोगो ने कहा, एर्विन दमा के रोगी हैं और जब उन्होंने मध्यम लक्षण देखे तो एहतियात के तौर पर सिफारिश की कि उन्हें आराम दिया जाए ताकि उन्हें अगले मैच में खेलने का मौका मिल सके। एर्विन के बाहर होने के साथ उप-कप्तान रेजिस चकाब्वा बेलेरिव ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ जिम्बाब्वे का नेतृत्व करेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह ऑफ स्पिन ऑलराउंडर टोनी मुनयोंगा लेंगे। चकबवा ने टॉस के दौरान कहा, दुर्भाग्य से क्रेग (एर्विन) की तबीयत ठीक नहीं है। वह अस्थमा के लक्षणों के साथ उठा और हम उसके अच्छे होने की कामना करते हैं। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ 31 रन की व्यापक जीत के साथ चल रहे टी20 विश्व कप की शुरुआत की। ऑलराउंडर सिकंदर रजा के शानदार 82 रनों के साथ उन्होंने एक विकेट भी लिया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को पहले गेंदबाजी का न्यौता दिया।

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना 30 प्रतिशत : कपिल देव

नई दिल्ली।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 का खिताब जीतने की दावेदार टीमों में से एक है। हालांकि,1983 विश्व कप विजेता कप्तान और अपने दौर के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक कपिल देव का मानना है कि भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना 30 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप में टीम की सफलता उसके पक्ष में मौजूद ऑलराउंडरों की संख्या पर निर्भर करती है। कपिल ने कहा, 'टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम एक मैच जीतने के बाद अगला मैच हार भी सकती है। भारत के विश्व कप जीतने की संभावनाओं के बारे में बात करना बहुत मुश्किल है। मुद्दा यह है कि क्या वे अंतिम चार टीमों में जगह बना पाएंगे? और मैं अभी भी चिंतित हूं कि क्या टीम टॉप-4 में आएगी। अगर आती है, तभी कुछ कहा जा सकता है। मेरे लिए फिलहाल भारत के टॉप चार में जगह बनाने की यह सिर्फ 30 प्रतिशत संभावना है।' इसके अलावा कपिल ने कहा, 'आप टीम में ऑलराउंडर के अलावा और क्या चाहते हैं जो न केवल विश्व कप में बल्कि अन्य सभी मैचों या आयोजनों में एक टीम के

लिए मैच जीत सके? हार्दिक पांड्या जैसा क्रिकेटर भारत के लिए काफी उपयोगी रहा है। ऑलराउंडर किसी भी टीम के लिए प्रमुख खिलाड़ी होते हैं, और वे एक टीम की ताकत बनते हैं। हार्दिक पांड्या जैसा ऑलराउंडर रोहित को मैच में छठे गेंदबाज का इस्तेमाल करने की आजादी देता है। वह एक अच्छे बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर भी हैं। यहां तक कि रवींद्र जडेजा भारत के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर भी हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे दिनों में भी, हमारे पास भारत की टीम में बहुत सारे ऑलराउंडर थे।''

भारतीय टीम पाक को हराती है तो विश्व कप जीतेगी : रैना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना भी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 में भारत ओर पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतिक्षित क्रिकेट मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। इससे पहले हुए एशिया कप में भारतीय टीम लीग स्तर पर जीती थी जबकि पाक को सुपर फोर में जीत मिली थी। रैना ने कहा, अगर भारतीय टीम पाक के खिलाफ शुरुआती मैच जीतती है तो उसके विश्व कप जीतने की संभावनाएं बढ़ जाती है। रैना का मानना है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की कमी टीम को महसूस होगी पर इसके बाद भी टीम में जीत हासिल करने की क्षमताएं हैं। रैना के अनुसार भारत के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट जीतने में सक्षम हैं। रैना ने कहा, टीम अभी अच्छा कर रही है। बुमराह की जगह शामिल शमी ने अभ्यास मैच से अच्छी शुरुआत की है। इसके अलावा टीम के पास युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आक्रमक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव हैं जो कभी भी खेल का रुख मोड़ सकते हैं। हर खिलाड़ी अच्छी लय में है। अनुभवी बल्लेबाजविराट कोहली के अलावा टीम में रोहित शर्मा जैसे अच्छे कप्तान हैं। अगर हम पहला मैच जीत जाते हैं तो यह हमारे लिए सकारात्मक कदम रहेगा। देश में हर कोई उनके लिए प्रार्थन कर रहा है और मैं वाकई चाहता हूं कि वे विश्व कप जीतें।

मिस्बाह ने पाक खिलाड़ियों की फिटनेस पर सवाल उठाये

करांची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने टी20 विश्वकप में इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में मिली हार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अपनी टीम के खिलाड़ियों की फिटनेस पर ही सवाल उठा दिये। पाक टीम को इस अभ्यास मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक टीम हर क्षेत्र में बल्लेबाजी के अलाव गेंदबाजी ओर क्षेत्ररक्षण में भी नाकाम रही। मिस्बाह ने पाक खिलाड़यों की फिटनेस को लेकर टीम प्रबंधन को आड़े हाथों लिया है। मिस्बाह ने कहा,'खिलाड़ियों के पेट दिखाई दे रहे हैं, बजन बढ़ने के कारण वह तेजी से भाग भी नहीं पा रहे हैं। इसका कारण यह है कि खिलाड़ियों के चयन के समय एक भी फिटनेस टेस्ट नहीं हुआ' मिस्बाह ने कहा कि पूर्व कोचिंग स्टाफ और मैंने कोच के तौर पर टीम छोड़ दी, क्योंकि उन्हें अच्छा ट्रेनर और कोच नहीं माना जाता था। मिस्बाह ने कहा, 'साफ तौर पर, फिटनेस का मामला हार के पीछे नजर आ रहा है। वकार ने चार बार कोच के रूप में टीम को छोड़ा और मैंने एक बार छोड़ा। मेरे जैसे खिलाड़ी, शोएब मलिक और यूनिस खान फिटनेस का काफी ख्याल रखते थे और हम स्वयं की फिटनेस को लेकर जोर देते थे।' घरेलू सत्र के दौरान फिटनेस टेस्ट का स्तर मजाक बन जाता है।

एशियाई चैंपियनशिप में हिजाब के बिना उतरी महिला एथलीट ईरान पहुंची

हवाई अड्डे पर जबरदस्त स्वागत के बीच ही कैद किये जाने की आशंका

तेहरान ।

सियोल में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग की एशियाई चैंपियनशिप में बिना हिजाब के उतरी ईरानी महिला क्लाइंबर एल्नाज रेकाबी आज सुबह सुबह स्वदेश पहुंचीं। यहां तेहरान हवाई अड्डे पर उतरने के बाद रेकाबी का लोगों ने जबरदस्त स्वागत किया पर माना जा रहा है कि सरकार उसे कैद में डाला देगी। वहीं लोगों का मानना है कि जेल भेजे जाने से देश भर में उसकी लोकप्रियता और बढ़ेगी। रेकाबी ने रविवार को सियोल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में हिजाब को पहने बिना ही प्रतिस्पर्धा में भाग लिया जबकि ईरान के कानून के मुताबिक ये अनिवार्य है। हिजाब के खिलाफ जारी आंदोलन में रेकाबी के इस कदम की लोगों ने जमकर प्रशंसा की थी पर वह इससे ईरानी सत्ता के निशाने पर आ गयी हैं। रेकाबी के इस कदम की सोशल मीडिया में प्रशंसा हुई है और इसे बहुत बहादुरी का काम बताया गया है हालांकि इससे इस एथलीट की मुशिकलें बढ़ेंगी। सोशल मीडिया के जरिये कई लोगों ने उनके स्वागत के लिए भारी भीड़ जुटाने के प्रयास किये थे जो काफी हद तक सफल रहे हैं। यह भी कहा गया है कि ईरानी अधिकारियों ने सियोल में रेकाबी का पासपोर्ट तक जब्त कर लिया है। साथ ही उसका फोन भी जब्त कर लिया गया है ओर उसे कभी भी जेल भेज दिया जाएगा। उसके परिवार की भी कोई खबर नहीं है ओर अनुमान है कि उसे किसी अज्ञात जगह पर नजरबंद कर दिया गया है।

नवी मुम्बई में फीफा अंडर-19 फुटबॉल विश्वकप मैच में गेंद के लिए संघर्ष करती हुई चीनी और स्पेनिश खिलाड़ी।

जूनागढ़ पहुंचे पीएम मोदी ने दीवाली उपहार में दी 3580 करोड रुपये की योजनाएं

जापानी बाजार में सुरमी मछली को गुजरात के नाम से जाना जाता

जूनागढ़ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को गुजरात के जूनागढ़ पहुंचे। यहां पीएम ने करीब 3580 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक समय में पूरे गुजरात के पूरे साल का जितना बजट होता था, उससे ज्यादा के विकास कार्य एक दिन में एक बार में यहां शुरू किए गए। ये योजनाएं रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर लेकर आई हैं। मैं आपको इस अवसर को दिवाली के उपहार के रूप में मनाने के लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, 'गुजरात हर क्षेत्र में तेज रफ्तार से दौड़ रहा है। पुराने दिनों को याद करें तब 10 में से 7 साल में सूखा होगा। प्रकृति बेकाबू थी, काठियावाड़ खाली हो रहा था और रोटी गूंथने के लिए दौड़ना पड़ रहा था।

प्रधानमंत्री ने कहा, एक जमाने में लोग विशेष बस से नर्मदा देखने जाते थे, लेकिन अब समय बदल गया है। नर्मदा आ रही है आज गांव-गांव आशीर्वाद देने के लिए। पीएम मोदी ने कहा कि मछुआरों के विकास के लिए सागर खेडू योजना शुरू की गई। 20 साल में कोई भी गुजराती इस बात पर

गर्व कर सकता है कि दुनिया में मछली का निर्यात 7 गुना बढ़ गया है। सुरमी मछली को जापानी बाजार में गुजरात के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि 8 साल में गुजरात को डबल इंजन सरकार का फायदा मिला है। गुजरात में मछली पकड़ने का बंदरगाह बनाकर सागर के किसानों की समस्या दूर हुई। मछली पकड़ने के तीन बंदरगाहों की आधारशिला आज रखी गई, इससे फिश हार्बर से मछलियों का परिवहन बेहद आसान होगा।

पीएम मोदी ने कहा, अब ड्रोन से मछली के सामान की तेजी से डिलीवरी की व्यवस्था की जा रही है। यह ड्रोन 20 से 25 किलो तक माल ले जा सकता है। पीएमओ ने बताया था कि प्रधानमंत्री जूनागढ़ में मिसिंग लिंक के निर्माण के साथ ही तटीय राजमार्गों के सुधार की आधारशिला रखने वाले हैं। इस परियोजना के पहले चरण में, 13 जिलों में 270 किलोमीटर से अधिक की कुल राजमार्ग लंबाई को कवर किया जाएगा। इसके अलावा नागढ़ में दो जलापूर्ति परियोजनाओं और कृषि उत्पादों के भंडारण के लिए एक गोदाम परिसर के निर्माण की आधारशिला भी इसमें शामिल है।

पीएमओ ने कहा कि वह पोरबंदर के माधवपुर में स्थित श्री कृष्ण रुक्मणी मंदिर के समग्र विकास की आधारशिला रखने वाले हैं। वह पोरबंदर फिशरी हार्बर में सीवेज और जलापूर्ति परियोजनाओं व रखरखाव ड्रेजिंग की आधारशिला भी रखने वाले हैं। गिर सोमनाथ में वह दो परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले हैं, जिसमें माधवाड़ में फिशिंग पोर्ट का विकास भी शामिल है। इसके बाद शाम छह बजे प्रधानमंत्री राजकोट में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित 'इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करने वाले हैं।

स्वच्छता अभियान 2.0 के तहत अहमदाबाद मण्डल के विभिन्न विभागों में की गई गहन साफ सफाई

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 19 अक्टूबर, 2022 को "स्वच्छता अभियान 2.0" मनाया गया। इस दौरान रेलवे द्वारा रेल परिसरों, प्लेटफॉर्म, ट्रेनों, ट्रैक एवं रेलवे कॉलोनी इत्यादि क्षेत्रों में व्यापक रूप से साफ-सफाई की गई। वरिष्ठ मण्डल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक एस टी राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद मण्डल पर 19 अक्टूबर, 2022 को "स्वच्छता अभियान 2.0" मनाया गया। जिसमें सभी स्थानों पर गहन साफ सफाई कर स्वच्छता सुनिश्चित की गई तथा मच्छरों से बचाव हेतु फॉगिंग एवं एन्टी लार्वा स्प्रे का छिड़काव भी किया गया। बड़ी संख्या में रेल कर्मियों द्वारा श्रमदान कर रेलवे कॉलोनी एवं डीजल शेड साबरमती और चांदखेड़, खोडियार साबरमती एवं अहमदाबाद रेलवे स्टेशन की व्यापक रूप से साफ सफाई की गई। रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी रेल कर्मचारियों एवं परिवार के सदस्यों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया एवं कॉलोनी क्षेत्र में अवांछित वनस्पति और मलबे को हटाया गया। तथा वृक्षारोपण किया गया। स्वच्छता के लाभों के बारे में कर्मचारियों और रेलवे परिवार के सदस्यों को शिक्षित करने के लिए कॉलोनी और अस्पतालों में पोस्टर और बैनर भी प्रदर्शित किए गए। सिंगल यूज प्लास्टिक को हतोत्साहित करने के लिए और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया।

रक्तदान शिविर के साथ मनाया स्थापना दिवस, 300 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

सूरत। व्यापार के साथ-साथ विभिन्न कंपनियां अपनी सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं। कॉन्सेप्ट मेडिकल और उसके समूह की कंपनी एनविजन साइंटिफिक, दुनिया की अग्रणी चिकित्सा उपकरण निर्माण कंपनी (SurSEZ), ने मंगलवार को सूरत विशेष आर्थिक क्षेत्र में एशिया की सबसे बड़ी चिकित्सा उपकरण निर्माण इकाई में 'मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर' के साथ अपना स्थापना दिवस और आजादी का अमृत महोत्सव मनाया।

कॉन्सेप्ट मेडिकल और इसकी सहायक एनविजन साइंटिफिक की सामाजिक पहल

सूरत नगर निगम (एसएमसी) की स्थायी समिति के अध्यक्ष परेश पटेल, सूरत की मेयर हेमालीबेन बोघावाला, सुरसेज विकास आयुक्त वीरेंद्र सिंह (आईटीएस),सहायक आयुक्त सीजीएसटी और सुरसेज के सीमा शुल्क निर्दिष्ट अधिकारी, श्री अशोक सिंह आईआरएस और अन्य ने बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर में भाग लिया।

कॉन्सेप्ट ग्रुप के कर्मचारियों और अन्य शुभचिंतकों ने कंपनी का स्थापना दिवस मनाने के लिए लगभग 300 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन सूरत रक्तदान केंद्र एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से किया गया। कॉन्सेप्ट मेडिकल के मनीष दोशी ने कहा, "हमारा उद्देश्य हमारे देश की जटिल विकास संबंधी चिंताओं को दूर करने और इसकी सामूहिक आकांक्षाओं में योगदान करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का नेतृत्व करके एक समावेशी भारत की स्थापना करना है।" हमारा मिशन "वंचित और कमजोर समुदायों के लोगों को सशक्त बनाना और अभिनव और टिकाऊ समाधानों के माध्यम से परिवर्तन को उत्प्रेरित करना है।"

तापी इंजीनियरिंग कॉलेज में जीपीसीबी सूरत और ग्रीनमैन विरल देसाई द्वारा पर्यावरण पर सेमिनार आयोजित

सूरत। ग्रीनमैन के नाम से मशहूर उद्योगपति विरल देसाई द्वारा चलाया गया राष्ट्रव्यापी पर्यावरण आंदोलन 'सत्याग्रह अगेंस्ट पॉल्यूशन एन्ड क्लाइमेंट चेंज मूवमेंट' तापी डिप्लोमा इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया गया था। जिसके तहत इंजीनियरिंग छात्रों के साथ क्लाइमेंट एक्शन और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की गई और उन्हें 'पर्यावरण योद्धा' बनाया गया।

इस अभियान के तहत जीपीसीबी सूरत के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. जिज्ञासा ओझा भी विशेष रूप से उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों से बातचीत की। इस संबंध में विरल देसाई ने कहा किज् सत्याग्रह अगेंस्ट पॉल्यूशन एन्ड क्लाइमेंट चेंज मूवमेंटज् के माध्यम से हम जन-जन तक पहुंचना चाहते हैं और प्रदूषण के खिलाफ इस लड़ाई में हमें युवाओं और छात्रों की सबसे ज्यादा जरूरत है। एक तरफ जब हम हर दिन कई क्लाइमेंट क्रायसिस के शिकार हो रहे हैं, हमारे लिए इस दिशा में ठोस काम करने की सबसे ज्यादा जरूरत है।'

डॉ. जिग्नाशा ओझा ने यह भी कहा, 'हमें पिछले अनुभवों से सीखना होगा और अपने वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने होंगे और इस तरह अपने भविष्य को बेहतर बनाना होगा।'

गौरतलब है कि गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सूरत भी हार्ट्स एट वर्क फाउंडेशन द्वारा शुरू किए गए ''सत्याग्रह अगेंस्ट पॉल्यूशन एन्ड क्लाइमेंट चेंज मूवमेंट' में आधिकारिक रूप से शामिल हो गया है, जिसके तहत दोनों संगठनों ने मिलकर एक लाख से अधिक छात्रों और युवाओं तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने और दो लाख से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान के तहत अब तक छह हजार से अधिक छात्रों को 'पर्यावरण योद्धा' बनाया जा चुका है।

रिलायंस रिटेल की सबसे बड़ी चेन ट्रेंड स्टोर अब अंजार में

कच्छ । रिलायंस रिटेल की भारत की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती परिधान और एक्सेसरीज स्पेशलिटी चेन, ट्रेंड्स ने कच्छ जिले के अंजार शहर में अपना नया स्टोर खोलने की घोषणा की। रुझान वास्तव में भारत में उपभोक्ताओं के साथ अपनी पहुंच और जुड़ाव को मजबूत करके भारत में फैशन का लोकतंत्रीकरण कर रहा है। ट्रेंड्स स्टोर महानगरों, मिनी महानगरों से लेकर टियर 1, 2 शहरों और उसके बाहर भारत का पसंदीदा फैशन शॉपिंग गंतव्य रहा है।

अंजार के ट्रेंड्स स्टोर में एक आधुनिक रूप है जिसमें एक महत्वपूर्ण माहौल है जो अच्छी गुणवत्ता और फैशन के सामानों की एक आकर्षक श्रृंखला पेश करता है जो स्थानीय उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर सूट करता है और पैसे के लिए उच्च मूल्य के रूप में माना जाता है।

इस शहर के ग्राहक फैशनेबल महिलाओं के परिधान, पुरुषों के परिधान, बच्चों के परिधान और फैशन के सामान के लिए आकर्षक कीमतों पर एक अद्वितीय और बेहतर खरीदारी अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं।

स्टोर 6250 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है। अंजार जो कि शहर का पहला स्टोर है, अपने ग्राहकों के लिए शानदार कैजुअल फैशन और अद्भुत कीमतों के अलावा एक विशेष ओपनिंग ऑफर पेश करता है:- रु. 3499 और प्राप्त करें रु.199 न केवल आकर्षक उपहार बल्कि ग्राहकों को रु. 2999 रुपये की खरीद पर 3000 कूपन बिल्कुल फ्री मिलेंगे।

तो अब अंजार में ट्रेंड्स के नए स्टोर पर आएं, एक बेहतरीन फैशन शॉपिंग अनुभव का आनंद लेने के लिए!

'डिफेंस एक्पो क 2022' आने वाले 25 वर्षों में भारत को रक्षा क्षेत्र में नई दिशा देगा: रक्षामंत्री

गांधीनगर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गांधीनगर में डिफेंस एक्स्पो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुजराती भाषा में स्वागत करते हुए कहा, "तमारा गुजरातमां हुं तमारुं हार्दिक स्वागत करुं छुं." उन्होंने कहा कि डाइनेमिक लीडर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'पाथ टु प्राइड' की थीम के साथ 'डिफेंस एक्स्पो 2022' का शुभारंभ हो रहा है यानी यही आत्मनिर्भर, नया भारत। यह हम सबके लिए गौरव समान है। गुजरात में आयोजित सबसे बड़े 'डिफ़ेंस एक्सपो 2022' आने वाले 25 वर्षों में भारत को रक्षा क्षेत्र में नई दिशा देगा। 'डिफेंस एक्स्पो' शक्ति तथा राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। इसमें 300 से अधिक भारतीय कंपनियाँ भाग ले रही हैं, जिनमें 80 से अधिक कंपनियाँ डिफ़ेंस क्षेत्र में कार्यरत हैं, जो आत्मनिर्भर भारत का श्रेष्ठ उदाहरण है। सिंह ने कहा कि 'डिफेंस एक्स्पो' भारत की नई पीढ़ी को रक्षा क्षेत्र में इनोवेशन एवं रिसर्च के साथ रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही यह देश एवं विश्व के उद्यमियों को भारत में रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए आकर्षित करेगा। इसके अलावा केन्द्र सरकार एमएसएमईस, लघु उद्यमियों तथा निजी कंपनियों को भी भारत में रक्षा क्षेत्र में निवेशार्थ प्रोत्साहित कर रही है। भारत की युवापीढ़ी रक्षा क्षेत्र में भी रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट में नई क्षितिजें पार करें। यह समय की मांग है। उन्होंने कहा कि 'डिफेंस एक्स्पो' के दौरान पिछले दो दिनों में 10 अफ़्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय संवाद हो रहे हैं, जबकि अन्य देश भी भारत में रक्षा क्षेत्र में उत्पादन के लिए उत्सुक हैं। रक्षा मंत्री ने गौरव के साथ कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा भारत की प्राथमिकता रही है। आकाश, धरती एवंजल

के साथ भारत एयरोस्पेस क्षेत्र में भी अपनी शक्ति बढ़ा रहा है। 'मिशन डेफ़स्पेस' के अंतर्गत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत अब और नई चुनौतियों व अवसरों केसाथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ विश्व की पाँचवीं मज़बूत अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राजनाथ सिंह ने गुजरात में 'डिफेंस एक्स्पो 2022' के सफल आयोजन के लिए टीम गुजरात को साभार शुभकामनाएँ दीं।

कावेरी हॉस्पिटल में 35 साल की महिला का हार्ट ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरा हुआ

सुरत । तमिलनाडु में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सबसे आगे, कावेरी ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स की एक इकाई, कावेरी हॉस्पिटल चेन्नई में हाइपरट्रॉफिक ऑब्सट्रक्टिव कार्डियोमायोपैथी से वीडियो 35 साल की महिला का हार्ट ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हृदय की मांसपेशियां मोटी (हाइपरट्रॉफिक) हो जाती हैं और इस तरह हृदय के लिए रक्त परिसंचरण, यानी ब्लड को पंप करना बेहद कठिनहोजाताहै।इस ट्रांसप्लांटकेलिए वेल्लोर के सरकारी अस्पताल में एक ब्रेन-डेड मरीज से ऑर्गन प्राप्त किया गया। ज़िंदगी बचाने वाली इस मुहिम के तहत, वेल्लोर जीएच से कावेरी अस्पताल चेन्नई तक एक ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया और प्राप्त किए गए ऑर्गन को 1 घंटे 15 मिनट के भीतर सकुशल पहुँचाया गया।

विजयवाड़ा की रहने वाली यह 35 साल की महिला पहले से ही हाइपरट्रॉफिक ऑब्सट्रक्टिव कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित थी, जिसका पता 2010 में लगाया गया था। चार साल बाद उन्होंने सफलतापूर्वक एक बच्चे को जन्म दिया, हालांकि लगातार थकान महसूस होना, धड़कन तेज होना, सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण बरकरार रहे, साथ ही गर्भावस्था के पूरे चरण में उसकी सावधानीपूर्वक निगरानी की गई।

2015 में, देश भर के कई अस्पतालों का चक्कर लगाने के बाद उन्होंने कावेरी हॉस्पिटल के एक सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट से परामर्श लिया। धीरे-धीरे हालात बिगड़ते चले गए और उनके हृदय के कामकाज में लगातार गिरावट आती गई। आखिरकार जब मुख्य पंपिंग चेंबर का आकार बड़ा होने की वजह से ब्लड को पंप करना बेहद कठिन हो गया, तब मरीज को तुरंत हार्ट ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी गई, साथ ही उन्हें हार्ट एंड लंग्स ट्रांसप्लांट टीम के पास भेज दिया गया। ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों की सूची में उन्हें सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी गई और जिसके बाद से वह मैचिंग डोनर कीतलाशमेंथीं।चारघंटेतकचली ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसके बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया और हालत में लगातार सुधार होने के बाद उन्हें वहां सेबाहरनिकालागया।अबवहपूरीतरह से ठीक हो चुकी हैं। अपना आभार प्रकट करने के लिए उन्होंने एम. एस. धोनी की तस्वीर बनाई और उसी तस्वीर को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को प्रस्तुत किया, जो कावेरी हॉस्पिटल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व-कप्तान, एम. एस. धोनी, कहते हैं, "अंग दान करना बड़ा ही नेक कार्य है और इससे लोगों की जान बचाई जा सकती है। हालांकि अपनों को खोना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होता है, लेकिन अंगों को दान करने से लगभग आठ लोगों की जान बचाने में मदद मिल सकती है, और इस तरह कई लोगों को दूसरी ज़िंदगी मिल सकती है। मैं अंग दान करने वाले परिवार का आभार व्यक्त करता हूँ जो इस नेक काम के लिए राजी हो गए। कावेरी हॉस्पिटल की हार्ट एंड लंग्स ट्रांसप्लांट यूनिट का उद्घाटन करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं कई लोगों की जान बचाने के लिए इस टीम के प्रयासों की सराहना करता हूँ, क्योंकि इसके बिना उन लोगों की जान बचाना संभव नहीं हो पाता। दूसरी ज़िंदगी पाने वाले मरीज के हाथों से पोर्ट्रेट स्केच प्राप्त करना भी चदिल को छू लेने वालाज अनुभव है, और यह डॉक्टरों की टीम द्वारा किए गए सफल हार्ट ट्रांसप्लांट से ही संभव हो पाया है।"

बच्चों से मिले पीएम तो केजरीवाल ने कसा तंज

गांधीनगर। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संजोयक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा, पीएम सर, हमने दिल्ली में शिक्षा में शानदार काम किया है। पांच साल में दिल्ली के सारे सरकारी स्कूल शानदार बना दिए। पूरे देश के स्कूल पांच साल में ठीक हो सकते हैं। हमें अनुभव है। आप हमें पूरी तरह इसके लिए इस्तेमाल कीजिए प्लीज। मिलके करते हैं न, देश के लिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, च्मुझे बेहद खुशी है कि आज देश की सभी पार्टियों और नेताओं को शिक्षा और स्कूलों की बात करनी पड़ रही है। ये हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं उम्मीद करता हूं कि केवल चुनाव के दौरान शिक्षा याद न आए। सभी सरकारें मिलकर महज पांच साल में सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बना सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात दौरे पर पहुंचे हैं। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में उन्होंने मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया है। पीएम मोदी इस दौरान छात्रों से मिले और उनके साथ क्लास रूम में बैठ बातचीत की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज गुजरात अमृतकाल की अमृत पीढ़ी के निर्माण की तरफ बहुत बड़ा कदम उठा रहा है। विकसत भारत के लिए विकसत गुजरात के निर्माण की तरफ ये एक मील का पत्थर साबित होने वाला है। मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ पर मैं सभी को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि बीते दो दशकों में गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आया है, वो अभूतपूर्व है। 20 साल पहले गुजरात में 100 में से 20 बच्चे स्कूल ही नहीं जाते थे और जो बच्चे जाते थे, उनमें से कई बच्चे 8वीं तक पहुंचते-पहुंचते स्कूल ही छोड़ देते थे। बेटियों की स्थिति तो और खराब थी। पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे देश में साढ़े 14 हजार से ज्यादा पीएम स्कूल बनाने का फैसला किया है। ये स्कूल पूरे देश में नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के लिए मॉडल स्कूल होंगे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति गुलामी की मानसिकता से देश को बाहर निकालकर टैलेंट को, इनोवेशन को निखारने का प्रयास है। भारतीय भाषाओं में भी साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल की पढ़ाई का विकल्प अब विद्यार्थियों को मिलना शुरू हो गया है। मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के तहत स्कूलों में 50 हजार नए क्लासरूम, एक लाख से अधिक स्मार्ट क्लासरूम को आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)